राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 113 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,30 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

2024 में मोदी जी को पीएम बनाने के लिए 2022 में योगी आदित्यनाथ सीएम जरूरी :अमित शाह

लखनऊ । नरेन्द्र मोदी सरकार में गृह तथा सहकारिता विभाग के मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने के साथ ही विपक्ष को आड़े हाथ लिया। डिफेंस एक्सपो मैदान वृंदावन योजना में अमित शाह ने सदस्यता लेने वाले कुछ युवकों को प्रमाण पत्र देने के साथ ही जनसभा को संबोधित भी किया। लम्बे समय बाद लखनऊ आए भाजपा के चाणक्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी बड़ा संदेश दे दिया है।

डिफेंस एक्सपो के मैदान में भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने के अंदाज में माइक संभालने वाले अमित शाह ने भाजपा की सारी उपलब्धियों को गिनाने के साथ ही केन्द्र में 2024 तथा उत्तर प्रदेश में 2022 का रोड मैप तय कर दिया। अमित शाह ने साफ कहा कि केन्द्र में अगर वर्ष 2024 में नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है तो 2022 में एक बार फिर से योगी आदित्यनाथ जी को मुख्यमंत्री बनाना होगा। मोदी जी को एक बार फिर मौका दे दीजिए। अमित शाह ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में लोक संकल्प के सारे वादे पूरे किए हैं, लेकिन अभी पांच साल का मौका और चाहिए, ताकि उत्तर प्रदेश को सभी जगह पर देश में नम्बर वन पर लाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सबसे बड़ा काम अगर योगी आदित्यनाथ ने किया है तो वह माफियाओं से मुक्ति दिलाने का काम किया है। लगभग 1,43,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई हैं और उसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। मेरठ में यूनिवर्सिटी होने के बावजूद वहां की बच्चियां दिल्ली में किराये के घर में रहकर पढ़ाई करती थीं। यूपी में उनकी सलामती नहीं थी। आज कोई भी लड़की स्कूटी पर रात 12 बजे भी यूपी की सड़कों पर चल सकती है, कोई डर नहीं है।

अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करने की शुरुआत 2022 में भी भाजपा को प्रचंड बहुमत के संकल्प से की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से दोनों हाथ उठवाकर भारत माता की जय का नारा लगवाया। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान 29 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। मैं सभी कार्यकर्ता से आग्रह करने आया हूं कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे युवा प्रदेशों में से एक है। यूपी में 53 प्रतिशत आबादी युवा है, गरीबों, महिलाओं, दलितों, पिछड़ों को पार्टी के साथ जोडने् का कार्य भाजपा करेगी। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आज मैं यहां भाजपा की सदस्यता कार्यक्रम की शुरुआत कराने आया हूं। आज मैं यहां आया हूं तो आपको जरूर स्मरण कराना चाहूंगा कि यह बाबा विश्वनाथ और भगवान राम, कृष्ण, भगवान बुद्ध, महाराजा सुहेलदेव और कबीर की भूमि है। भाजपा ने यूपी को उसकी पहचान दिलाने का काम किया है। दोस्तों आप दिवाली के दिन मेरा परिवार भाजपा परिवार के तोरण से अपने द्वार को सजाइए और भाजपा को अपना समर्थन दीजिए। गृह मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा ने यूपी को बहुत आगे ले जाने का काम किया है। भाजपा ने पहली बार सिद्ध किया है कि सरकारें परिवारों के लिए नहीं गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए होती हैं। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को अपनी पहचान वापस दिलाने का कार्य किया है। उत्तर प्रदेश को देश का सबसे प्रमुख राज्य बनने की दिशा में बहुत आगे ले जाने का कार्य किया है। मोदी जी ने प्रदेश के हर घर में बिजली पहुंचाई। हमने 11 करोड़ घरों में गैस पहुंचाया, जिसे पहले लोग मजाक समझते थे। दस करोड़ लोगों को घर देने का लक्ष्य रखा है जो जल्द पूरा होगा।

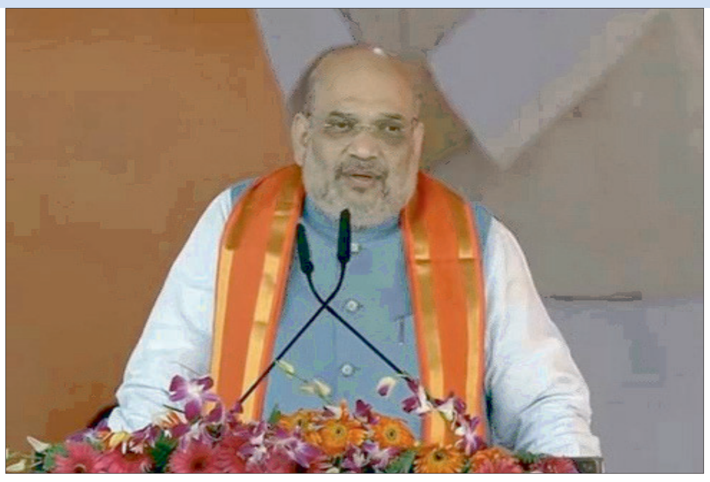

बनाएंगे नम्बर वन अर्थव्यवस्था- अमित शाह ने कहा कि 2017 के पहले तक उत्तर प्रदेश देश की 7वीं अर्थव्यवस्था थी, आज यूपी देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है। अखिलेश बाबू आप यूपी का बजट दस लाख करोड़ रुपये का छोड़कर गए थे। अब अंतरिम बजट 21.31 लाख करोड़ रुपये का रखा है। बेरोजगारी की दर आप 18 प्रतिशत छोड़कर गए थे, आज 4.8 प्रतिशत बेरोजगारी दर है।

अब तो दूरबीन से भी नहीं नजर आते बाहुबली- गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को भी जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले तो उत्तर प्रदेश में गुंडाराज था। माफिया और बाहुबली का सरकार में खासा दखल था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा इलाज किया है कि अब तो दूरबीन से भी बाहुबली नजर नहीं आते हैं। आज 16 वर्ष की बच्ची भी गहने लादकर रात 12 बजे भी स्कूटी पर निकल सकती है। यूपी में वर्षों तक सपा-बसपा का खेल चलता रहा, उसने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया था। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति देखकर खून खौलता था। आज उत्तर प्रदेश में कोई पलायन नहीं होता, पलायन कराने वालों का खुद पलायन हो गया है। आज यूपी में कहीं कोई बाहूबली दिखाई नहीं देता।

अमित शाह ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में सभी लोग काफी प्रभावित थे। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ तो हर जगह जाने के कारण खुद भी चपेट में आ गए थे, लेकिन अखिलेश जी तो कहीं पर भी नहीं दिखे। इन्होंने कहा था कि हम कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे, लेकिन बाद में डर की वजह से लगवा ली। इसके बाद भी प्रदेश में बाढ़ से हालत खराब थी तो योगी आदित्यनाथ जी ने मोर्चा संभाला था। अखिलेश जी इस समय भी गायब थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश जी यह हिसाब उत्तर प्रदेश की जनता को दीजिए कि पिछले पांच वर्ष में आप विदेश कितने दिन रहे। बीते दिनों कोरोना आया, यूपी में बाढ़ आई, आप कहां थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश जी यह हिसाब उत्तर प्रदेश की जनता को दीजिए कि पिछले पांच वर्ष में आप विदेश कितने दिन रहे। इसका हिसाब दे दीजिए।

सपा, बसपा तथा कांग्रेस ने किया अपने परिवार का विकास – अमित शाह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ ही बहुजन समाज पार्टी तथा कांग्रेस के लोगों ने शासन स्वयं के लिए, परिवार के लिए और अपनी जाति के लिए किया है, इसके अलावा किसी के लिए शासन नहीं किया है। इन लोगों ने शासन स्वयं के लिए, परिवार के लिए और अपनी जाति के लिए किया है, इसके अलावा किसी के लिए शासन नहीं किया। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को अपनी पहचान वापस दिलाने का कार्य किया है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को देश का सबसे प्रमुख राज्य बनने की दिशा में बहुत आगे ले जाने का कार्य किया है। भाजपा ने पहली बार सिद्ध किया है कि जो सरकार बनती है वो परिवार के लिए नहीं होती है, सरकारें सूबे के सबसे गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए होती है। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश एंड कंपनी हमें ताने देती थी कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। अखिलेश बाबू तारीख बताना ही नहीं बल्कि मंदिर की नींव भी डाल दी गई है। क्या किसी को कल्पना थी कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के दर्शन होंगे, लेकिन आपने दो तिहाई बहुमत दिया। पीएम मोदी जी ने राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास कर दिया। जल्द वहीं पर रामलला का भव्य मंदिर बनेगा। अखिलेश जी को मैं याद दिलाता हूं कि आपकी पार्टी की सरकार में निर्दोष रामभक्तों को गोलियों से भून दिया गया था। आज उसी जगह पर रामलला शान के साथ गगनचुंभी मंदिर में विराजमान होने वाले हैं।

एक नज़र...

इस बार 7.50 लाख दीपों से रोशन होगी अयोध्या

अयोध्या, (एजेंसी)। उप्र में भाजपा सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में पांचवा दीपोत्सव साढ़े सात लाख दीप जलाकर मनाएगी जिसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। उत्तर प्रदेश के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा पांचवे दीपोत्सव के लिए अयोध्या को खूबसूरत बनाया जा रहा है। इस बार एक से छह नवबर तक दीपोत्सव का आयोजन किया जायेगा। राम की पैड़ी भतों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगी। 7.50 लाख दीप जलाकर नया विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। वनवास के बाद भगवान श्रीराम की अयोध्या लौटने की खुशी में त्रेता जैसी दीवाली मनाने की परपरा योगी सरकार ने 2017 से शुरू की थी तबसे हर साल यह उत्सव भव्यता से मनाया जा रहा है।

बाजार अनुसंधान विश्लेषक को विशेष पेशे के रूप में मंजूरी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। एच-1बी नियोक्ताओं को बड़ी जीत दिलाते हुए एक संघीय अदालत ने एक समझौते को मंजूरी दे दी है जिसके तहत अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा अब बाजार शोध विश्लेषक को विशेष पेशे के तौर पर योग्य ठहराने पर राजी हो गई है जिससे एच-बी वीजा धारकों का एक और विदेशी पेशे में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हो गया है। श्रम सांयिकीय यूरो का श्रम विभाग अमेरिका के नौकरी बाजार में सैकड़ों पेशों की सूची बना रहा है जिसके तहत यूएससीआईएस का कहना था कि बाजार शोध विश्लेषक विशेष पेशे के योग्य नहीं है। नदर्न डिस्ट्रिट ऑफ कैलिफोर्निया में संघीय डिस्ट्रिट कोर्ट ने इस समझौते को मंजूरी दे दी है जिससे कंपनियां अब यूएससीआईएस से उनके अस्वीकृत किए गए वीजा आवेदनों पर फिर से निर्णय लेने का अनुरोध करेंगी। 'अमेरिकन इमिग्रेशन काउंसिल' में वकील लेसली के डेलोन ने कहा कि यह समझौता बहुत महत्वपूर्ण जीत है।

कन्नड़ अभिनेता पुनीत का हृदयघात से निधन

बेंगलुरू, (एजेंसी)। कन्नड़ फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता पुनीत राजकुमार का शुक्रवार को यहां निधन हो गया । पुनीत (47) को सुबह दिल का दौरा पड़ने के बाद शहर के विक्रम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुनीत प्रसिद्ध अभिनेता स्वर्गीय डॉ. राजकुमार के सबसे छोटे पुत्र थे। उनके बड़े भाई शिवराज कुमार भी कन्नड़ फिल्म जगत की जाने-माने हस्ती हैं। पुनीत का असली नाम लोहित राजकुमार था। उनका विवाह 1999 में अश्विनी रेवनाथ से हुआ था। पुनीत की पहली फिल्म 'अप्पू' थी, जो 2002 में आई थी। उन्हें आकाश (2005), अरसु (2007), मिलन (2007) और वंशी (2008) जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रसिद्धि मिली। इससे पहले वह कई फिल्मों में बाल कलाकार बनें।

सीमा पर जारी तनाव के बीच डीआरडीओ-वायु सेना ने स्वदेशी लांग रेंज बम का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी के बम का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायु सेना की टीम की ओर से आज एक हवाई मंच से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया. डीआरडीओ ने बताया कि लंबी दूरी का बम भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों से निकलने के बाद निर्दिष्ट सीमाओं के भीतर सटीकता के साथ एक लंबी दूरी पर भूमि-आधारित लक्ष्य के लिए निर्देशित किया गया. साथ ही कहा कि मिशन के सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है.

इससे पहले बुधवार को भारत ने अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया. इस कामयाबी के साथ ही भारत इन चंद ताकतों में शुमार हो गया है, जिनके पास 5,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल है. अग्नि 5 की टेस्टिंग में सबसे अहम बात ये है कि इसमें स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड भी शामिल है. स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी के तहत काम करती है और न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी देश में परमाणु हथियारों से जुड़े मामले देखती है, परमाणु हथियारों से जुड़ी रणनीति बनाती है.

अगर परमाणु हमला करना हुआ तो किसी मंजूरी चाहिए? पीएम, गृह, रक्षा, वित्त और विदेश मंत्री न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी में शामिल होते हैं. अग्नि 5 मिसाइल भी परमाणु हथियार लेकर जाने में सक्षम हैं. इसलिए इसके परीक्षण में स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड को शामिल किया गया. स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड की मौजूदगी में हुए परीक्षण से साफ हो गया है कि अब ये मिसाइल सुरक्षाबलों के इस्तेमाल के लिए तैयार है. यानी अब चीन के कई शहर सीधे-सीधे भारत के निशाने पर हैं.

अग्नि फाइव मिसाइल, यानी युद्ध में विक्ट्री दिलाने वाला भारत का ब्रह्मास्त्र. रेंज 5 हजार किलोमीटर. ये वो भारतीय ब्रह्मास्त्र है जो दुश्मनों के लिए काल है. जो शत्रुओं में त्राहिमाम मचाने के लिए विख्यात है. ये वो महामिसाइल है जिसे दुनिया अग्निबम के नाम से भी जानती है. अब उसका सबसे घातक और सबसे विध्वंसक संस्करण आ गया है. हिंदुस्तान ने पहली बार अंधेरे में भी इसकी मारक क्षमता का सफल परीक्षण कर लिया है. इसके पहले भारत अग्नि मिसाइल का सात बार सफल परीक्षण कर चुका है. ये 8वीं बार हुआ है जब अग्नि-5 ने विजयी उड़ान भरी.

एक मिसाइल से अनेकों टारेगट तबाह करने की ताकत

इस परीक्षण के साथ ही न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम अग्नि-5 मिसाइल के सेना में शामिल होने से भारत दुनिया के उन एलीट देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास न्यूक्लियर हथियारों से लैस इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है. जिसकी जद में पूरा का पूरा चीन है. लेकिन रिपोर्ट है कि भारत ने 8वीं बार जिस अग्नि मिसाइल की मुंहदिखाई की है यानी ओपन टेस्ट किया है.

ये MIRV यानी मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल है. यानी एक साथ कई ठिकानों को तबाह करने वाला अचूक ब्रह्मास्त्र. यहां तक कि इसे रोड मोबाइल लांचर से भी लांच किया जा सकता है, जिससे तत्काल हमला करना मुमकिन है. यही वजह है कि अग्नि की इसी शक्ति ने शी जिनपिंग की नींद उड़ा रखी है. भारत का ये महामिसाइल ना सिर्फ इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है, बल्कि एक मिसाइल से अनेकों टारेगट तबाह करने की ताकत है.

आतिशबाजी पर पूरी तरह रोक नहीं, सिर्फ बेरियम सॉल्ट वाले पटाखों पर बैन, ग्रीन पटाखे बेचे जा सकेंगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। पटाखों के बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश शुक्रवार को आ गया. अंतरिम आदेश के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों के बनाने और बेचने पर पूरी तरह रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे पटाखे जिनका निर्माण हो चुका है और कोर्ट के आदेश के अनुसार नहीं बने हैं, उनको दिल्ली-एनसीआर में बेचने की इजाजत नहीं होगी. साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि पटाखों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, सिर्फ बेरियम सॉल्ट वाले पटाखे प्रतिबंधित हैं. ग्रीन पटाखे ही बनाए, बेचे और जलाए जा सकते हैं.

इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्लिपकार्ट, अमेजन समेत दूसरी ऑनलाइन ई कॉमर्स कंपनी पटाखों की ऑनलाइन बिक्री नहीं कर सकेंगी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा अगर कोई ई कॉमर्स कंपनी पटाखों की बिक्री करती है तो उसके खिलाफ कोर्ट की अवमानना का मामला चलाया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा दीवाली और अन्य त्योहारों जैसे गुरुपर्व वगैरह पर 8 से 10 बजे रात तक बजाए जा सकेंगे. क्रिसमस की रात और नए साल के अवसर पर 11.55 बजे से 12=30 बजे तक पटाखा बजाने की इजाजत होगी.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के आदेश के उल्लंघन की स्थिति में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, जिले के एसपी, डीएम, थाना प्रभारी जैसे अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह माना जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के आदेश का राज्य सरकार व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर प्रतिबंध को लागू करने में राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेशों और एजेंसियों की किसी भी तरह की चूक को बेहद गंभीरता से देखा जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों के प्रतिबंध के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए सभी राज्य सरकार/ केंद्र शासित प्रदेश, इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मीडिया, स्थानीय केबल सेवाओं के माध्यम से उचित प्रचार करें. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार/ राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश/ स्कूल/ कॉलेज पटाखों से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता कैंपेन चलाए.

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा क्क्षस्ह सुनिश्चित करेगा कि कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर पटाखा बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस रद्द हो और ऐसे पटाखों के डिपॉल हो. इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर सख्त नाराजगी जताई. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राज्यों को प्रतिबंधित पटाखों पर लगी पाबंदी को लागू करना होगा. इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि प्रतिबंधित पटाखों को बेचने वालों के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दे सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि पटाखों पर उसके द्वारा रोक लगाना किसी समुदाय या किसी समूह विशेष के खिलाफ नहीं है.

भारत ने 105 करोड़ वैक्सीनेशन के आंकड़े को किया पार, 8 दिन में लगे 5 करोड़ टीके

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज शुक्रवार को 105 करोड़ मील के पत्थर को पार कर गया है. आज शाम 7 बजे तक 51 लाख (51,59,251) से अधिक वैक्सीन डोज दिए जा चुके हैं. आज फाइनल रिपोर्ट आने के बाद दैनिक टीकाकरण संख्या बढ़ने की उम्मीद है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि देश में अब तक कोरोना वैक्सीन के 105 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं.

इसी महीने 21 अक्टूबर को भारत ने 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पूरा किया था. भारत ने सिर्फ 10 महीने में असंभव को संभव कर दिखाया. करीब 130 करोड़ की आबादी में कोरोना वैक्सीन की 100 करोड़ वैक्सीनेशन का डोज का आंकड़ा देश के लिए बेहतरीन उपलब्धि है. भारत की इस कामयाबी ने दुनिया को चौंका दिया है. भारत ने अपने देश की जनता के साथ दुनिया के और देशों को भी वैक्सीन की करोड़ों डोज दी हैं.

गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि कोरोना वैक्सीनेशन में खराब प्रदर्शन वाले जिलों में घर-घर जाकर कोविड-19 टीकाकरण के लिए अगले महीने के दौरान 'हर घर दस्तक' अभियान शुरू किया जाएगा. उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य लोगों को घातक वायरस से बचाव के लिए पूर्ण टीकाकरण के लिए प्रेरित करना होगा.

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक राष्ट्रीय समीक्षा बैठक के दौरान मंडाविया ने कहा कोई भी जिला ऐसा नहीं रहना चाहिए जहां पूर्ण टीकाकरण नहीं हो. उन्होंने कहा कि हर घर दस्तक अभियान जल्द ही खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों में लोगों को पूर्ण टीकाकरण के लिए उत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए शुरू होगा.

कांग्रेस का निशाना: कंसल्टेंट की कोई विचारधारा नहीं होती

नई दिल्ली,एजेंसी।

कांग्रेस ने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एक ताजा टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि कंसल्टेंट (परामर्शदाता) की कोई विचाराधारा नहीं होती तथा किशोर को दूसरों को भाषण देने से पहले खुद तय कर लेना चाहिए कि वह क्या हैं। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, कंसल्टेंट अपने आप को जितना महत्वपूर्ण मानते हैं, अगर मैं और आप भी उनको इतना महत्वपूर्ण मानने लग गए जाएंगे तो फिर देश ए कंसल्टेंट चलाएंगे। उन्होंने किशोर पर निशाना साधते हुए कहा, क्या हमने कभी कहा कि देश को भाजपा मुक्त होना चाहिए? कंसल्टेंट की कोई विचारधारा नहीं होती है। आप कंसल्टेंट हो, टेक्नीशियन हो, रणनीतिकार हो..कभी टेबल के इस तरफ, कभी उस तरफ...पहले अपने दिमाग में स्पष्ट कर लीजिए कि आप क्या हो? फिर भाषण दीजिए। दूसरों को भाषण देने से पहले खुद तय कर लेना चाहिए कि वह क्या हैं। गौरतलब है कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी एक ताजा टिप्पणी में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारतीय राजनीति के केन्द्र में रहेगी और अगले कई दशकों तक यह कहीं जाने वाली नहीं है।

गोवा में होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए चुनावी रणनीति तैयार कर रहे किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस सोच के लिए उन पर तंज किया कि जनता भाजपा को तत्काल उखाड़ फेंकेगी। उनका एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें किशोर गोवा में एक निजी बैठक को संबोधित करते नजर आ रहे हैं।

▶▶ कांग्रेस ने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एक ताजा टिप्पणी को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि कंसल्टेंट (परामर्शदाता) की कोई विचाराधारा नहीं होती तथा किशोर को दूसरों को भाषण देने से पहले खुद तय कर लेना चाहिए कि वह क्या हैं। कंसल्टेंट अपने आप को जितना महत्वपूर्ण मानते हैं तो फिर देश ये कंसल्टेंट चलाएंगे।

बैठक | राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी समिति की बैठक

बांग्लादेश में हिंदुओं को बेदखल करने की साजिश : आरएसएस

नई दिल्ली,एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के दौरान हिंदुओं पर हुए हमले, अल्पसंख्यकों को बेदखल करने की सुनियोजित साजिश थी। आरएसएस ने भारत सरकार से अपील की है कि वह अपने पड़ोसी देश को वैश्विक स्तर पर हिंदुओं की चिंता से अवगत कराए और सुनिश्चित करे कि ढाका अल्पसंख्यकों पर हमले बंद करवाए। तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि संघ मांग करता है कि बांग्लादेश सरकार हमलों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्वाई करे और यह सुनिश्चित करे कि अपराधियों को कड़ी सजा दी जाए। आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक (एबीकेएम) यहां बृहस्पतिवार को शुरू हुई। कुमार ने प्रस्ताव का जिक्र करते हुए कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, अल्पसंख्यकों का समूल नष्ट करने और उन्हें बेदखल करने की सुनियोजित साजिश है। हमलों का मकसद फर्जी खबरों के जरिए धार्मिक टकराव पैदा करना था। केन्द्र, बांग्लादेश को वैश्विक स्तर पर हिंदुओं के बीच उत्पन्न हुई चिंताओं से अवगत कराने के लिए उसके साथ अपने सभी राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करे और वहां की सरकार से हिंदू तथा बौद्ध समुदाय के लोगों पर हमले रोकने के लिए कहे। बांग्लादेश सरकार से भी अपील की कि वह हमलों को अंजाम देने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाए।उसने संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य मानवाधिकार संगठनों पर इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उनके दोहरे मानदंड को दिखाता है। आरएसएस ने अपने प्रस्ताव में कहा, एबीकेएम तथाकथित मानवाधिकार निगरानी संगठनों तथा संयुक्त राष्ट्र संबद्ध संगठनों की इस गहरी चुप्पी की निंदा करती है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बांग्लादेश के हिंदुओं, बौद्धों एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंसा की निंदा करने तथा उनकी सुरक्षा के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान करती है।

▶▶ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के दौरान हिंदुओं पर हुए हमले, अल्पसंख्यकों को बेदखल करने की सुनियोजित साजिश थी।

एनसीबी के जांच दल ने पुलिस के माध्यम से गवाह सैल को पेश होने को कहा

मुंबई। एनसीबी के एसईटी ने स्वतंत्र चश्मदीद गवाह प्रभाकर सैल से शुक्रवार को पेश होने को कहा है।एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह ने बृहस्पतिवार को मुंबई पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखा और पुलिस से सैल को सूचित करने को कहा कि वह एसईटी के सामने पेश हो। एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े और अन्य के विरुद्ध उगाही के आरोपों की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने सैल का बयान दर्ज किया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि एनसीबी के दल ने सैल से बृहस्पतिवार को पेश होने को कहा था लेकिन उसके पते और फोन पर संपर्क करने के बावजूद बात नहीं हो सकी।

मानहानि मामला: राहुल गांधी सूरत की अदालत में पेश हुए

नई दिल्ली,एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने खिलाफ दर्ज एक आपराधिक मानहानि मामले के सिलसिले में बयान दर्ज कराने के लिए शुक्रवार को गुजरात के सूरत शहर में एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुए। यह मामला मोदी उपनाम पर उनकी टिप्पणी से संबद्ध है। यह तीसरा मौका है जब कांग्रेस सांसद 2019 के मामले के सिलसिले में अदालत में उपस्थित हुए। अदालत ने 26 अक्टूबर को राहुल को 29 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ए एन दवे ने दो नए गवाहों की गवाही के बाद राहुल से अपना आगे का बयान दर्ज कराने के लिए 29 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। सूरत से भाजपा के विधायक पूर्णेश मोदी ने अप्रैल 2019 में राहुल के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाया था कि राहुल ने 2019 में एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कथित तौर पर यह कह कर पूरे मोदी समुदाय का अपमान किया कि इन सब चोरों का एक ही उपनाम (सरनेम) मोदी कैसे है?

सार समाचार

मानवीय संकट का सामना कर रहा अफगानिस्तान, अमेरिका करेगा मदद

वाशिंगटन। अफगानिस्ताान में तालिबान के शासन के अधीन गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे लोगों की मदद के लिए अमेरिका 14.4 करोड़ डॉलर देगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को बताया कि सहायता स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय और गैर-सरकारी मानवीय संगठनों को सीधे प्रदान की जाएगी, जिनमें शरणार्थियों से जुड़ा संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), अंतरराष्ट्रीय आव्रजन संगठन (आईओएम) और विश्व स्वास्थ्य संगठन शामिल हैं। ब्लिंकन ने कहा, ''इस कोष के जरिए क्षेत्र के 1.8 करोड़ से अधिक जरूरतमंद अफगानिस्तान के लोगों को सीधे मदद मुहैया कराई जाएगी, जिसमें पड़ोसी देशों में पनाह लेने वाले अफगानिस्तान के शरणार्थी भी शामिल हैं।'' ब्लिंकन ने कहा कि इसके साथ ही, अफगानिस्तान में और इस क्षेत्र में अफगान शरणार्थियों के लिए कुल अमेरिकी मानवीय सहायता 2021 में बढ़कर लगभग 47.4 करोड़ डॉलर हो गई, जो किसी भी राष्ट्र द्वारा दी गई सबसे अधिक आर्थिक मदद है। विदेश मंत्री ने कहा, '' यह मदद हमारे भागीदारों को स्वास्थ्य देखभाल की कमी, कोविड-19, सूखा, कुपोषण और आने वाले सर्दी के मौसम में बढ़ती मानवीय जरूरतों के मद्देनजर जरूरी जीवन सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल, सर्दी के समान से जुड़ी सहायता, अन्य साजो-समान और आपातकालीन खाद्य संबंधी सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगी।'' उन्होंने कहा, '' इस मानवीय सहायता से अफगानिस्तान के लोगों को लाभ होगा न कि तालिबान को, जिन्हें हम उनके द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के लिए जवाबदेह ठहराते रहेंगे।''

पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने वाले कश्मीरी छात्रों पर देशद्रोह का मामला दर्ज, 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नोएडा/आगरा। पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाले जो तीन कश्मीरी छात्र आगरा में गिरफ्तार किये गए थे, उन पर बृहस्पतिवार को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उक्त छात्रों में से दो की उम्र 20-20 साल है और एक 21 वर्ष का है। उन्होंने कहा कि इन छात्रों को आगरा की एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत से बाहर आते समय कथित तौर पर कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। इस बीच जम्मू कश्मीर के छात्रों की एक संस्था ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया है कि छात्रों पर से राजद्रोह का मामला वापस लिया जाए।

रूस में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामले, मॉस्को में कामकाज पर लगी रोक

मॉस्को। रूस में कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही भारी वृद्धि के बीच बृहस्पतिवार को प्रशासन ने मॉस्को में कामकाज पर 11 दिनों की पाबंदी लागू की ताकि अधिक से अधिक लोग घरों में रहें और वायरस को फैलने से रोका जा सके। सरकारी कोरोना वायरस कार्यबल ने बताया कि 24 घंटों में 1,159 लोगों की मौत संक्रमण से हुई, जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या 235,057 हो गई। देश में महामारी फैलने के बाद से एक दिन में मौत के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। इसके अलावा बृहस्पतिवार को संक्रमण के 40,096 नए मामले सामने आए हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संक्रमण की रोकथाम के लिये 30 अक्टूबर से सात नवंबर के बीच कामकाज पर पाबंदी का आदेश दिया था। इस दौरान अधिकतर सरकारी संगठन तथा निजी व्यापार बंद करने का प्रावधान है। उन्होंने अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों से जल्द से जल्द इसे लागू करने के लिये प्रोत्साहित किया था। कुछ क्षेत्रों ने इस सप्ताह की शुरुआत में इसे लागू कर दिया था। बृहस्पतिवार के बाद मॉस्को में स्कूल, जिम, मनोरंजन स्थल अरैर अधिकतर स्टोर बंद रहेंगे जबकि रेस्त्रां और कैफे से खाना घर ले जाने की छूट रहेगी। बंदी के दौरान आवश्यक वस्तुएं और राशन का सामान बेचने वाले स्टोर और दवा दुकानों को खोले रखने की अनुमति रहेगी।

दक्षिण कोरिया राजधानी क्षेत्र में अब एक साथ दस लोग इकट्ठा हो सकेंगे

सियोल। दक्षिण कोरियाई सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह सियोल क्षेत्र में इकट्ठा होने वाले लोगों की सीमा बढ़ाकर 10 तक करेगी और नाइटलाइफ इस्टैब्लिशमेंट को छोड़कर, सभी मल्टी-यूज फैसिलिटी पर बिजनेस कर्फ्यू को चार सप्ताह के लिए लागू करेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक वैक्सीन पास प्रणाली, जिसके लिए विजिटर को वैक्सीन सर्टिफिकेट या नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट की आवश्यकता होगी। नाइटलाइफ इस्टैब्लिशमेंट, जैसे बार और नाइट क्लब, और इनडोर खेल सुविधाओं में प्रवेश के लिए एक ग्रेस पीरियड के साथ पेश किया जाएगा। प्रधान मंत्री किम बू-क्यूम ने एक कोविड -19 प्रतिक्रिया बैठक में घोषणा की, जिसमें एक सरकारी-निजी समिति द्वारा सुझाए गए अंतिम मसौदा रोडमैप पर चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य लोगों के जीवन को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है। समिति में निजी क्षेत्र के 30 विशेषज्ञ शामिल हैं, इस सप्ताह की शुरूआत में देश के लिए एक मसौदा रोडमैप बनाया गया है, जिसमें महामारी से पीड़ित छोटे व्यवसाय के मालिकों की मदद करने के लिए कोरोनोवायरस प्रतिबंधों को धीरे-धीरे समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही देश की टीकाकरण दर 70 प्रतिशत के प्रारंभिक लक्ष्य तक पहुँचने के साथ और स्थायी उपाय तैयार किए जाएंगे। योजना का पहला चरण 1 नवंबर से चार सप्ताह के लिए लागू की जाएगी।

फेसबुक का बदल गया है नाम, जानें अब किस नाम से पहचाना जाएगा ये प्लेटफॉर्म

लखनऊ। (एजेंसी)।
फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपनी कंपनी का नाम बदलकर मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक कर रहे हैं। जुकरबर्ग ने इसे मेटावर्स का नाम दिया है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि यह फेसबुक पेपर्स से दस्तावेज लीक होने से उत्पन्न विवाद से ध्यान भटकाने का एक प्रयास हो सकता है।

जुकरबर्ग का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि अगले दशक के भीतर 'मेटावर्स' एक अरब लोगों तक पहुंच जाएगा। उनका कहना है कि 'मेटावर्स' एक ऐसा प्लेटफॉर्म होगा जिस पर लोग संवाद करेंगे तथा उत्पाद एवं सामग्री तैयार करने के लिए कार्य कर सकेंगे। उन्हें उम्मीद है कि यह एक ऐसा नया प्लेटफार्म होगा जो रचनाकारों के लिए ''लाखों'' नौकरियां सृजित करेगा। यह घोषणा ऐसे समय पर आयी है जब फेसबुक अस्तित्व के संकट का सामना कर रहा है। फेसबुक पेपर्स में खुलासे के बाद इसे दुनिया के कई हिस्सों में विधायी और नियामक जांच का सामना करना पड़ रहा है।

मेटावर्स क्या है?

मेटावर्स, एक वर्चुअल कंप्यूटर-जनरेटेड स्पेस है जहां लोग बातचीत कर सकते हैं। इसका लोगों भी नया होगा जो कि ढ्डहस्नढ्डह्3ड्ड शेप में दिखाई देगा। बता दें कि फेसबुक के नाम को बदलने की प्रक्रिया लंबे समय से चल रही थी। मार्क सोशल मीडिया कंपनी की दोबारा ब्रान्डिंग करना चाहते हैं। मार्क के इस कदम से ब्रांड को एक अलग पहचान मिलेगी। मार्क नहीं चाहते कि, फेसबुक को केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर न देखा जाए इसलिए फेसबुक का नाम बदलकर मेटा किया गया। मेटावर्स के जरिए से एक वर्चुअल दुनिया का आगाज होगा जिसके तहत ट्रांसफर और कम्यूनिकेशन के लिए अलग-अलग टूल का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

केवल 27 प्रतिशत अमेरिकी माता-पिता छोटे बच्चों का टीकाकरण करने के है इच्छुक: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
वॉशिंगटन, 29 अक्टूबर (आईएएनएस)। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका में केवल 27 प्रतिशत माता-पिता ने कहा कि वे अपने पांच से 11 साल के बच्चों को कोविड-19 के खिलाफ तुरंत टीका लगवाएंगे। कैसर फैमिली फाउंडेशन का सर्वेक्षण 14 से 24 अक्टूबर के बीच 1519 वयस्कों के एक राष्ट्रीय प्रतिनिधि रैंडम अंक डायल नमूने के बीच आयोजित किया गया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक तिहाई माता-पिता ने कहा कि वे इंतजार करेंगे और देखेंगे कि उनके 5-11 साल के बच्चों को टीका लगाने से पहले टीका कैसे काम कर रहा है, जबकि 30 प्रतिशत ने कहा कि वे निश्चित रूप से अपने छोटे बच्चों को टीका नहीं लगवाएंगे। माता-पिता की मुख्य चिंताएं संभावित अज्ञात दीर्घकालिक प्रभावों और टीके के गंभीर दुष्प्रभावों से संबंधित हैं, जिसमें दो-तिहाई ऐसे लोग शामिल हैं जो सोचते है कि टीके से भविष्य में उनके बच्चों की प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती हैं। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के सलाहकारों ने मंगलवार को पांच से 11 साल के बच्चों के लिए फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन को अधिकृत करने के पक्ष में मतदान किया। फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन क्लिनिकल परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि यह बच्चों

में रोगसूचक कोविड-19 के खिलाफ सुरक्षित और 90.7 प्रतिशत प्रभावी है। एफडीए अपने सलाहकारों की सिफारिश के आधार पर टीके के औपचारिक प्राधिकरण पर विचार करेगा। अगर अनुमति मिलती है, तो यह छोटे बच्चों के लिए पहला कोविड-19 वैक्सीन होगा।

बाइडेन और मैक्रो के बीच पनडुब्बी विवाद के बाद होगी पहली बैठक, रोम में होगी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।
रोम (इटली)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका के सबसे पुराने मित्र फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ होने वाली बैठक आसान नहीं होगी। बाइडन और मैक्रों की शुक्रवार को रोम में ऐसे समय में मुलाकात होगी, जब पेरिस ऑस्ट्रेलिया के साथ गोपनीय अमेरिका-ब्रिटेन पनडुब्बी सौदे को लेकर अब भी खफा है। इस सौदे ने अमेरिकी वफादारी में यूरोप के विश्वास को झकझोर दिया था। दोनों नेताओं के बीच इस सौदे के बाद से दो बार बात चुकी है और सितंबर में सार्वजनिक हुए इस सौदे के बाद उनकी आमने-सामने की पहली बैठक फ्रांस को शांत करने की अमेरिका की एक और कोशिश है। एक शीर्ष फ्रांसीसी अधिकारी ने बताया कि मैक्रों की अपेक्षा है कि बाइडन अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में फ्रांस के आतंकवाद रोधी अभियानों को समर्थन देने की ''प्रतिबद्धता'' जताएंगे।

फ्रांस चाहता है कि उस क्षेत्र में अमेरिका खुफिया और सैन्य सहयोग बढ़ाए। बाइडन और मैक्रों हिंद-प्रशांत में सहयोग के नए तरीकों पर चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच चीन, अफगानिस्तान और ईरान पर भी वार्ता होने की संभावना है। फ्रांस ने ऑस्ट्रेलिया को पनडुब्बी मुहैया कराने के लिए सौदा किया था, लेकिन अमेरिका के नेतृत्व वाले सौदे के कारण यह सौदा रद्द हो गया था। इससे फ्रांस को 60 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उसने कहा कि बाइडन प्रशासन ने ऑस्ट्रेलिया के साथ वार्ता को लेकर उसे गुमराह किया। उसने यह भी कहा कि बाइडन अपने देश के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भांति रणनीतियां अपना रहे हैं। फ्रांस को सबसे अधिक नाराजगी इस बात से है कि उसे इस बड़े भूराजनीतिक बदलाव के बारे में अंधेरे में रखा गया और हिंद-प्रशांत में उसके हितों के बावजूद उसे नजरअंदाज किया गया।

क्या है नेट जीरो उत्सर्जन, जिसके टारगेट से भारत ने खुद को दूर रखने का किया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।
स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र वैश्विक जलवायु सम्मेलन या कान्फ्रेंस ऑफ पार्टी 26 (सीओपी26) काआयोजन होने जा रहा है, जिसके लिये दुनियाभर के आमंत्रित नेता और पर्यावरण से जुड़े लोग तैयारियों में जुटे हुए हैं। सीओपी26 का मुख्य एजेंडा नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य कैसे हासिल किया जाए। हालांकि सम्मेलन से पहले ही भारत ने जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से कहा गया है कि दुनिया को उत्सर्जन कम करने के रास्ते खोजने चाहिए ताकि वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी के खतरे को टाला जा सके। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक देश है। ग्लासगो में अगले सप्ताह के जलवायु सम्मेल में भारत पर इसे कुछ दशकों में जीरो करने का ऐलान करने का दबाव है।

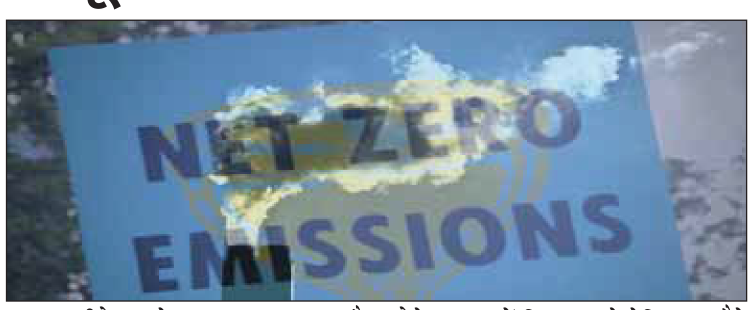

'नेट जीरो' उत्सर्जन क्या है

क्लाइमेट चेंज के लिए क्लोरो-फ्लोर कॉर्बन, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। 'नेट जीरो' जिसे कॉर्बन न्यूट्रैलिटी भी कहा जाता है, इसका मतलब यह नहीं है कि कोई देश ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बिल्कुल ही न करे यानी एकदम जीरो कर दे। इसका मतलब यह है कि कोई देश वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का जितना उत्सर्जन कर रहा है, उतना ही उसे सोख और हटा भी रहा है यानी वातावरण में वह देश ग्रीन हाउस गैसों को न बढ़ा रहा हो।

नेट जीरो की घोषणा करना जलवायु संकट का समाधान नहीं

द हिन्दू की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण सचिव आरपी गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि नेट जीरो की घोषणा करना जलवायु संकट का समाधान नहीं है। यह अधिक महत्वपूर्ण है कि आप जीरो उत्सर्जन तक पहुंचने से पहले वातावरण में कितना कार्बन पहुंचा रहे हैं। गुप्ता ने भारत सरकार की गणना का हवाला देते हुए कहा कि अब और सदी के मध्य तक संयुक्त राज्य अमेरिका ने वातावरण में 92 गीगाटन कार्बन और यूरोपीय संघ 62 गीगाटन छोड़ेगा। बता दें कि भारत ने पेरिस समझौते में उत्सर्जन को 2005 के स्तर से 2030 तक त्नष्ठक्कके 33 से 35 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा था और 2016 तक उसने 24 प्रतिशत कम कर लिया था।

बिना ठोस कदमों के इन लक्ष्यों के कोई मायने नहीं

संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने 2050 तक कार्बन उत्सर्जन जीरो करने का लक्ष्य तिथि निर्धारित किया। यानी इस बिंदु तक ये देश न केवल ग्रीनहाउस गैसों की एक मात्रा का उत्सर्जन करेंगे बल्कि जितने जंगलों, फसलों, मिट्टी और कार्बन का असर कम करने वाली टेक्नोलॉजी सोख सकेंगी। चीन और सऊदी अरब ने इसके लिए 2060 का लक्ष्य रखा है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि बिना ठोस कदमों के इन लक्ष्यों के कोई मायने नहीं हैं।

पिता की लाश के साथ मॉडल ने करवाया हॉट फोटोशूट, ट्रोल होने के बाद बोलीं- इसमें गलत क्या!

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
सोशल मीडिया ने रातों रात कई लोगों को स्टार बना कर उनकी जिंदगी बदल दी। किसी ने डांस करके लोगों का दिल जीता तो किसी ने आंखों का जादू चला कर। सोशल मीडिया पर वायरस होने के लिए लोग तरह तरह के तिकड़म अपनाते है ताकि वह सोशल मीडिया पर वायरस हो जाएं और उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ जाए। ऐसा इस लिए भी है क्योंकि सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग ज्यादा होने से पैसे भी कमाएं जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर फैमस होने की होड़ इस कदर है कि इंस्टाग्राम पर मशहूर मियामी की मॉडल ने अपने पिता के शव के साथ हॉट फोटोशूट करवाया और तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया।

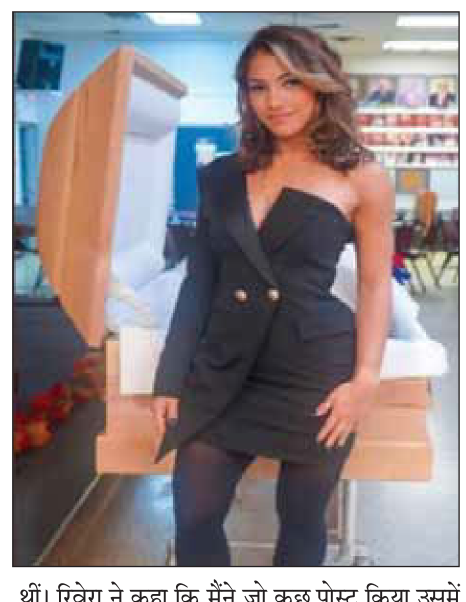

20 साल की अमेरिकी लड़की जेने रिवेरा ने कुछ दिनो पहले सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह फुल मेकअप के साथ काली रंग की टाइट ड्रेस में पोज देती नजर आयी। उनके बैकग्राउंग में उनके पिता का शव एक ताबूक में रखा हुआ था। मॉडल ने जैसे ही यह तस्वीरें शेयर की यह सोशल मीडिया पर वायरस होने नहीं। विश्व स्तर पर इस तरह से अपने पिता के शव के साथ पोज देने वाली तस्वीर की आलोचना हो रही है। मॉडल जेने रिवेरा (छ्वड्ड4ठ्ठद्ग ऋद्ब1द्गह्म्ड्ड) को काफी बुरी तरह से ट्रोल किया गया। तस्वीरें पोस्ट करने के बाद हुई आलोचना से आहर होकर मॉडल ने तस्वीरें डिलिट कर दी। इसके बाद उन्होंने अपने बचाव करते हुए बयान जारी किया।

एनबीसी न्यूज को दिए एक बयान में, रिवेरा ने कहा कि तस्वीरें ÷सर्वश्रेष्ठ इरादों÷ के साथ ली गई थीं। रिवेरा ने कहा कि मैंने जो कुछ पोस्ट किया उसमें कुछ भी गलत नहीं था। मेरे पिता मेरे करियर को हमेशा सपोर्ट करते थे। वह इन तस्वीरों को लेकर भी मुझपर गर्व करते अगर वो जिंदा होते। उन्होंने आगे कहा कि हर किसी का अपने दुख से लड़ने का अपना अलग तरीका होता है मेरा ये तरीका मेरे हिसाब से गलत नहीं था।

आपको बता दें कि रिवेरा ने कथित तौर पर पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर अपने फैंस को बताया कि उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। उन्होंने अपना जीनव बहुश आनंद से जिया।

लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम उम्र तय करना इस्लाम के खिलाफ नहीं, पाकिस्तान शीर्ष इस्लामिक कोर्ट का बयान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।
पाकिस्तान की शीर्ष इस्लामी अदालत ने फैसला सुनाया है कि लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित करना इस्लाम की शिक्षाओं के खिलाफ नहीं है। उसने एक याचिका को खारिज कर दिया जिसमें बाल विवाह निरोधक कानून की कुछ धाराओं को चुनौती दी गई थी। इस फैसले से बाल विवाह पर एक विवाद सुलझ सकता है, जो कट्टरपंथी मुसलमानों के इस आग्रह से उपजा है कि इस्लाम ने शादी के लिए कोई उम्र तय करने की अनुमति नहीं दी है।

मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद नूर मिस्कनजई की अध्यक्षता वाली संघीय शरीयत न्यायालय (एफएससी) की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने बृहस्पतिवार को बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम (सीएमआरए) 1929 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। डॉन अखबार की खबर में कहा गया है कि एफएससी ने याचिका को खारिज कर दिया और स्पष्ट रूप से घोषित किया कि इस्लामी राज्य द्वारा लड़कियों की शादी के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित करना इस्लाम के खिलाफ नहीं है। न्यायमूर्ति डॉ सैयद मोहम्मद अनवर द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया, याचिका की जांच करने के बाद, हमारा विचार है कि याचिका गलत है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। दस पन्नों के फैसले में, एफएससी ने माना कि विवाह के लिए लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए अधिनियम द्वारा निर्धारित न्यूनतम आयु सीमा गैर-इस्लामी नहीं है। सीएमआरए की धारा 4 में बाल विवाह के लिए एक साधारण कारावास की सजा का प्रावधान है, जिसकी अवधि छह महीने तक हो सकती है और 50,000 पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। जबकि धारा 5 और 6 में बच्चे का निकाह करने और बाल विवाह की अनुमति देने या उसे बढ़ावा देने की सजा की व्याख्या की गई है।

निर्णय बताता है कि शिक्षा का महत्व आत्म-व्याख्यात्मक है और शिक्षा की आवश्यकता सभी के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है, चाहे वह किसी भी लिंग का हो। फैसले में कहा गया है, इसीलिए इस्लाम में हर मुसलमान के लिए शिक्षा हासिल करना अनिवार्य है, जैसा कि एक हदीस में कहा गया है कि हर मुसलमान के लिए ज्ञान हासिल करना अनिवार्य है। फैसले में कहा गया है कि एक स्वस्थ विवाह के लिए न केवल शारीरिक

स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता आवश्यक कारक हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और बौद्धिक विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि शिक्षा महिला सशक्तिकरण के लिए मौलिक है क्योंकि यह किसी व्यक्ति और फलस्वरूप किसी भी राष्ट्र की भावी पीढ़ी के लिए के विकास की कुंजी है। खबर के मुताबिक जॉर्डन, मलेशिया, मिस्र और ट्यूनीशिया जैसे कई इस्लामी देश ऐसे हैं जहां पुरुष और महिला के लिए शादी की न्यूनतम उम्र तय है।

संक्षिप्त खबर

गुरुग्राम में सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने का विरोध तेज, 30 लोग लिए गए हिरासत में

गुरुग्राम । देश की राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को एक बार फिर स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने का विरोध किया। विरोध करने की कड़ी में गुरुग्राम के सेक्टर-12ए इलाके में पहुंचे हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों को गुरुग्राम पुलिस ने हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या 30 बताई जा रही है। हिरासत में लेने के बाद सभी लोगों को बजघेड़ा थाने में रखा गया है। विरोध को देखते हुए जहां पर भी मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज पढ़ते हैं, वहां पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।बता दें कि गुरुग्राम पुलिस प्रशासन की ओर से शुक्रवार को जिले में कुल 37 जगहों पर नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई है। इससे पहले पिछले सप्ताह भी हालात तनावपूर्ण हो गए थे, जब गुरुग्राम के सेक्टर 12-ए स्थित एक निजी जमीन पर नमाज अदा कर रहे लोगों को विरोध हुआ था। इसमें एक हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी शामिल थे। इस दौरान यहां पर जमा भीड़ ने जय श्री राम के नारे भी लगाए थे।

गौरतलब है कि गुरुग्राम में खुले में नमाज को लेकर विरोध पिछले महीने से तेज हो गया है। गुरुग्राम सेक्टर 47 में पिछले महीने कई बार खुले में जुम्मे की नमाज अदा की गई, जिसे लेकर आरडब्ल्यू के सदस्यों व विभिन्न हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने विरोध किया था। इस दौरान खुले में नमाज के दौरान जब कई संगठनों के लोग पहुंचे तो पुलिस ने उनसे कहा कि जिला प्रशासन की बैठक में यह तय हुआ था कि कहां नमाज होगी? इसके बाद भी लोगों का विरोध जारी रहा। इससे पहले 15 अक्टूबर को गुरुग्राम के सेक्टर-47 में खुले पार्क पर नमाज पढ़ने को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने माइक और स्पीकर के सहारे भजन गाए। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए गए थे। इस मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हाथों में तख्तियां लेकर करीब 70-80 लोग सार्वजनिक स्थानों पर नमाज बढ़ने का विरोध कर रहे थे।

चांदनी महल इलाके में भाई के साथ रिक्शा पर जा रही दसवीं की छात्रा पर फेंका तेजाब, रिपोर्ट दर्ज

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में हर प्रकार के प्रयास के बावजूद महिलाओं और युवतियों से होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। चांदनी महल इलाके में रिक्शा पर सवार होकर अपने भाई के साथ जा रही एक दसवीं की छात्रा पर तेजाब फेंकने का मामला सामने आया है। छात्रा का लोकनायक अस्पताल में उपचार कराया गया है। उसकी हालत खतरे बाहर बताई जा रही है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, 16 वर्षीय पीड़िता अपने परिवार के साथ इलाके के बंगश सुईवालान में रहती हैं। वह कक्षा दस की छात्रा है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि वह रिक्शा में सवार होकर अपने भाई के साथ पंजाबी फाटक हौजकाजी जा रही थी। जैसे ही वह इलाके के गुजरात नमकीन भंडार के पास पहुंची। इस दौरान रिक्शा के पीछे से एक लड़के ने छात्रा पर तेजाब उड़ेलकर फरार हो गया। लड़के ने मुंह पर मास्क पहना हुआ था। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, अन्य मामले में सुभाष प्लेस इलाके में एसयूवी सवार बदमाशों ने कारोबारी की कार में टक्कर मार दी और कार में रखे करीब ढाई लाख लूट कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार राजेश पीतमपुरा इलाके में रहते हैं। उनके मुताबिक वह बुधवार देर रात ब्रिटानिया चौक पहुंचे थे, तभी एसयूवी ने उनकी कार में टक्कर मार दी। कुछ दूर आगे पीड़ित ने अपनी कार रोकी । वहां एसयूवी सवार युवक पहुंच गए। उन्होंने उनकी पिटाई की और ढाई लाख रुपये लूटकर भाग गए। एसयूवी के नंबर के आधार पर पुलिस रोहिणी सेक्टर एक निवासी शख्स पूछताछ कर रही है।

दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में बदमाश टाइगर ढेर, 2 पुलिसकर्मी भी घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रोहिणी के बेगमपुर इलाके में शुक्रवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक बदमाश मारा गया। इसके साथ ही मुठभेड़ के दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। इस दौरान दोनों और से कई राउंड गोलियां चलीं। पुलिस ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोहिणी के बेगम पुर इलाके में शुक्रवार को एक मुठभेड़ में एक अपराधी मारा गया। मारे गए बदमाश की पहचान दीपक उर्फ टाइगर के तौर पर हुई है। वहीं, दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टाइगर काफी समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। पुलिस मृतक टाइगर का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। पुलिस ने बदमाश के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि, बीते माह रोहिणी कोर्ट रूम में हुए शूटआउट के बाद से पुलिस ने दिल्ली में गैंगवार की आशंका को देखते हुए अपराधियों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है।

नोएडा में आम्रपाली सफायर सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों ने दो युवकों को पीटा, वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

नोएडा । नोएडा सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों द्वारा दो रेजिडेंट्स की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई की गई। पीड़ितों का कसूर सिर्फ इतना था कि उनकी कार पर सोसाइटी की पार्किंग का स्टीकर नहीं लगा था। यह घटना बुधवार देर रात की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मामले में सेक्टर-39 थाना पुलिस ने छह सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। अंकित और अमन सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर सोसाइटी में रहते हैं। उनकी कार पर सोसाइटी की पार्किंग का स्टीकर नहीं था। वह रात करीब 11 बजे सोसाइटी के गेट पर पहुंचे। यहां पर सुरक्षाकर्मियों ने बिना स्टीकर के उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। दोनों ने बताया कि वे सोसाइटी में ही रहते हैं, लेकिन बिना स्टीकर के उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। दोनों अंदर जाने लगे तो सुरक्षाकर्मियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने बुरी तरह पिटाई कर उन्हें घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उस समय किसी ने मामले में शिकायत नहीं दी। सोशल मीडिया पर छाया मामला तो हुई कार्रवाई ~ युवकों की पिटाई का वीडियो कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने ट्विटर सहित अन्य सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले में संज्ञान लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में कोई शिकायत नहीं दी गई है। छह सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ धारा-154 के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा संबंधित सुरक्षा एजेंसी के पंजीकरण की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। दहशत में सोसाइटीवासी ~ घटना के बाद से सोसाइटी के निवासियों में दहशत बनी हुई है। सुरक्षाकर्मियों की करतूत वीडियो में देखने के बाद निवासी भय में हैं। सोसाइटी में रातभर निवासियों और उनके परिचितों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में वे अपनी और परिचितों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं।

घटना सीसीटीवी में कैद होने के बाद यहां के लोगों ने संबंधित सुरक्षाकर्मियों को हटाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं किसी के साथ हो सकती हैं। सुरक्षाकर्मियों की मनमानी चल रही है। ऐसे तो सोसाइटी में कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। सोसाइटी की सुरक्षाकर्मियों द्वारा रेजिडेंट के साथ मारपीट करने की पिछले दो महीने में यह दूसरी घटना है। 7 सितंबर को सेक्टर-100 स्थित लोटल बुलवर्ड सोसाइटी में पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई की गई थी। इसका भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने सीआईएसएस एजेंसी के करीब दस सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार किया था।

डांस स्कूल में दोस्ती, नशीला पदार्थ पिलाकर 12वीं की छात्रा से किया रेप

नई दिल्ली। मोहन गार्डन इलाके में 12वीं की छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर दोस्त ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। परिजनों ने गुरुवार को मोहन गार्ड थाना पुलिस को शिकायत दी। पुलिस पीड़िता की मेडिकल जांच कराने के बाद केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय पीड़िता मोहन गार्डन इलाके में परिवार के साथ रहती है और 12वीं की छात्रा है। साथ ही वह अपने घर के पास स्थित एक केंद्र में नृत्य प्रशिक्षण के लिए जाती है। नृत्य प्रशिक्षण केंद्र में ही साहिल नाम का युवक भी आता था। साहिल इलाके में ही सैलून की दुकान में काम करता है।

इन्यूबेशन सेंटर की मदद से नई कंपनियां शुरू कर छात्र दुनियाभर में बांटेंगे नौकरी: सिसोदिया

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) में इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिसोदिया ने कहा कि ये इन्क्यूबेशन सेंटर हमारे भविष्य के उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए मंच देगा। साथ ही एक बुनियाद का काम करेगा जहां से वे अपने नए विचार और नवाचार को सही दिशा दे पाएंगे। सेंटर की मदद से हमारे छात्र नई कंपनियां शुरू कर दुनियाभर में नौकरी बांटेंगे।

सिसोदिया ने आगे कहा कि मौजूदा समय में उद्यमी सोच की केवल व्यापार करने के लिए नहीं, बल्कि सभी लोगों में उद्यमी सोच इसलिए होनी चाहिए ताकि वे देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने आगे कहा कि हमारे स्कूलों व कालेजों में प?ने वाले 99 फीसद बच्चे नौकरी करना चाहते हैं लेकिन ये बेहद ?ुशी की बात है कि एयूडी ऐसे बच्चे तैयार कर रहा है जो नौकरी लेने के बजाय नौकरी देने वाले बनने की दिशा में आगे ब? रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने सपनों को तब तक पूरा नहीं कर सकता है जब तक उसके पास सीखने का कोई प्लान न हो। आपके सपने तभी पूरे हो सकते हैं जब आप सपनों को अपनी शिक्षा की योजना के साथ जो?कर रखें। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो अपने विश्वविद्यालय से केवल डिग्री लेकर निकल रहे होंगे न कि अपने सपने को पूरा करने का रास्ता और जुनून लेकर।

सिसोदिया ने कहा कि दुनिया में दो तरह के विश्वविद्यालय हैं। कुछ विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां प?ने वाले बच्चे डिग्री लेने के बाद नौकरी लेने की लाइन में ख? होकर इंतजार करते हैं कि कोई कंपनी उन्हें नौकरी दे दे। दूसरी ओर ऐसे विश्वविद्यालय हैं जहां नौकरी देने वाली कंपनियों में ही हो? मची होती है और वे इन विश्वविद्यालयों के बच्चों को नौकरी देने के लिए लाइन में लगे रहते हैं।

इन्हीं विश्वविद्यालय के बच्चे आगे चलकर फेसबुक, गूगल जैसी कंपनियां बनाकर पूरे विश्व में लोगों को नौकरियां दे रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि हमें भारत को विकसित देश और विकसित अर्थव्यवस्था बनाना है तो इसका सपना हमारे स्कूलों व विश्वविद्यालयों से ही पूरा हो सकता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हमने इसकी शुरूआत कर दी है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी में विशेष आमंत्रित के तौर पर टाइटलर की नियुक्ति पर भाजपा ने साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिख विरोधी दंगों के आरोपी जगदीश टाइटलर को अपनी दिल्ली प्रदेश की समिति में विशेष आमंत्रित के तौर पर शामिल करके सिखों के जख्मों को हरा कर दिया है। हालांकि कांग्रेस ने कहा कि टाइटलर को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति (डीपीसीसी) में दिल्ली से पूर्व सांसद होने के नाते नियुक्त किया गया है और भाजपा भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है।

अगले साल पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले वहां कांग्रेस की सरकार को घेरते हुए भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी से यह साफ करने को कहा कि क्या वह इस नियुक्ति से सहमत हैं जिसने पूरे देश को नाराज किया है। भाटिया ने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगे भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा काला धब्बा हैं। दंगों को कांग्रेस प्रायोजित बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने कभी सिखों को न्याय नहीं दिया और भाजपा उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी, दिल्ली प्रदेश की प्रमुख समिति में टाइटलर को लाकर कांग्रेस ने सिख समुदाय के जख्मों को हरा कर दिया है। उन्होंने कहा, क्या यह टाइटलर के लिए सम्मान है? क्या सोनिया गांधी की ओर से उन्हें संरक्षण प्रदान करना उचित है?

भाटिया ने कहा कि इस तरह की नियुक्तियों को कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा मंजूरी दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया, जब भाजपा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की तथा दोषियों को कठघरे में लाने की कोशिश कर रही है, वहीं आरोपियों को कांग्रेस का संदेश है कि चिंता मत करो, गांधी परिवार आपके साथ है।

इस बीच कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि टाइटलर दिल्ली के पूर्व सांसद हैं, इसलिए उन्हें समिति में नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, भाजपा भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूछा कि अगर उच्चतम न्यायालय गुजरात दंगों को देखने की बात कर रहा है तो क्या प्रधानमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

किसान आंदोलन: 11 माह बाद खुलने लगे दिल्ली के रास्ते, लाखों लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली/ गाजियाबाद । कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनों की वजह से करीब 11 माह से बंद रास्ते अब खुलने लगे हैं। टीकरी के बाद शुक्रवार को गाजीपुर बार्डर से भी दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड हटाने शुरू कर दिए हैं। सुबह पुलिस ने एनएच-नौ और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे की गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाले लेन पर लगे लोहे व पत्थर के बैरिकेड और कंटीले तार के अलावा कंक्रीट से बनाई गई पक्की दीवार को हटाना शुरू किया, देर शाम तक बैरिकेड को हटाने का काम जारी रहा।

बैरिकेड हटाने पर भारतीय किसान यूनियन का कहना है कि यूपी गेट पर प्रदर्शन पूर्ववत जारी रहेगा। संगठन के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि पुलिस द्वारा बैरिकेड हटाए जाने के बाद तमाम अफवाहों का दौर जारी है। भाकियू स्पष्ट कर रही है कि हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि पुलिस ने 26 जनवरी के बाद रास्ता रोका था। सुप्रीम कोर्ट में मोर्चे के शपथपत्र के बाद दिल्ली पुलिस अपनी गलती सुधार रही है। उधर, हरियाणा के जींद के सफीदों में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों ने कभी भी बार्डरों को बंद नहीं किया। ये बार्डर तो सरकार ने बंद कर रखे थे और अब सरकार खुद ही खोल रही है।

गुरुवार को टीकरी बार्डर पर लगाए गए बैरिकेड को पुलिस द्वारा हटाने के बाद शुक्रवार को सड़क को लेन की साफ-सफाई की गई। कुछ बैरिकेड अब भी हैं, जिन्हें जल्द ही हटा लिया जाएगा। हालांकि सिंघु बार्डर पर अभी बैरिकेड को हटाने का काम शुरू नहीं हुआ है। बता दें, गाजीपुर बार्डर कृषि कानून विरोधियों का बड़ा स्थल है। शुक्रवार को जब दिल्ली पुलिस दल बल के साथ बैरिकेड हटाने के लिए पहुंची तो प्रदर्शन में शामिल लोगों ने किसी तरह का विरोध नहीं किया।

28 नवंबर, 2020 को गाजीपुर बार्डर पर कृषि कानून विरोधियों ने प्रदर्शन शुरू किया था, पहले सर्विस लेन बंद की थी बाद में एनएच-नौ की लेन को बंद कर दिया था। इतने लंबे समय तक बार्डर बंद होने से आम लोगों की जिंदगी काफी प्रभावित हो रही थी। गाजियाबाद से दिल्ली आने वाले वाहन चालक विभिन्न रास्तों से अतिरिक्त सफर तय करके पहुंच रहे हैं।

बता दें, 26 जनवरी को कृषि कानून विरोधियों ने ट्रैक्टर परेड की आड़ में दिल्ली में जमकर उत्पात मचाया था और लाल किले को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद पुलिस ने गाजीपुर बार्डर की किलेबंदी कर दी थी। शुक्रवार सुबह पुलिस तीन क्रेन व कई टैक्टर व और ट्रक लेकर बार्डर पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन से बैरिकेड वाहनों में रखवाकर दूसरे स्थानों पर पहुंचवाए।

बार्डर पर निगाह, यूपी पुलिस से तालमेल

दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (कानून व व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक और जिला पुलिस उपायुक्त प्रियंका कश्यप गाजीपुर बार्डर पर डटे रहे। इसके अलावा कई वरिष्ठ अधिकारियों ने बार्डर पर निगाह बनाए रखी। प्रियंका कश्यप ने कहा कि पुलिस ने आगे बढ़कर बार्डर से बैरिकेड हटाए हैं। दिल्ली पुलिस बार्डर से बैरिकेड हटाने के साथ ही उप्र पुलिस से तालमेल बैठा रही है, ताकि अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। पुलिस अधिकारी सड़क पर टेंट लगाकर बैठे लोगों को समझाने का प्रयास करेंगे कि वे अब हट जाएं, क्योंकि जब सड़क पर वाहन चलेंगे तो हादसा हो सकता है। हालांकि अवरोधक हटने के बाद भी इस लेन पर यातायात सुचारू नहीं हो पाएगा, क्योंकि धरने पर बैठे लोगों ने अपने टेंट सड़क पर ही लगाए हुए हैं।

सर्विस लेन से अभी नहीं हटेंगे बैरिकेड

एनएच-नौ की दोनों सर्विस लेन पर पुलिस ने बैरिकेड लगाने के साथ ही कंक्रीट की दीवार बनाई हुई है। बैरिकेड के ऊपर कंटीले तार लगा रखे हैं, उन बैरिकेड को कोई राहगीर भी पार नहीं कर सकता। पुलिस का कहना है कि एनएच-नौ की लेन से बैरिकेड हटने के कुछ दिन तक माहौल को देखा जाएगा, उसके बाद सर्विस लेन के बैरिकेड हटाए जाएंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्विटर को दिया हिंदू देवी-देवताओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री हटाने का निर्देश

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने हिंदू देवी-देवताओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री को अपने प्लेटफार्म से हटाने का ट्विटर को निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि मीडिया प्लेटफार्म को आम जनता की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि ये आम लोगों से ही व्यापार कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा कि ट्विटर अच्छा काम कर रहा है और लोग इससे खुश हैं।

सुनवाई के दौरान पीठ ने ट्विटर के अधिवक्ता से पूछा कि आपत्तिजनक सामग्री हटाई जा रही हैं या नहीं? पीठ ने कहा कि इस सामग्री को हटा दें। इस पर ट्विटर की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि अदालत इस संबंध में आदेश कर सकती है और ट्विटर इसका अनुपालन करेगा। इसके बाद पीठ ने सुनवाई 30 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।याचिकाकर्ता आदित्य सिंह देसवाल ने कहा कि उन्होंने @AtheistRepublic नाम के एक उपयोगकर्ता के हैंडल पर मां काली के बारे में कुछ बेहद आपत्तिजनक पोस्ट देखी थी।

उन्हें अपमानजनक तरीके से दर्शाया गया है। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पोद्दार ने कहा कि इस संबंध में ट्विटर के शिकायत अधिकारी को सूचित भी किया कि उक्त सामग्री सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) अधिनियम 2021 के तहत उल्लंघन है।

ट्विटर ने यह कहते हुए उनकी शिकायत को रद कर दिया कि सामग्री उस श्रेणी की नहीं है जिसके तहत कार्रवाई की जा सके या इसे हटाया जा सके। याचिका में उचित निर्देश देने की मांग की गई थी।

पटाखों पर प्रतिबंध के खिलाफ याचिका जल्दी सुनने की मांग

वहीं, दीपावली से पहले राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की गई है। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता के मुख्य अधिवक्ता के मौजूद नहीं होने के चलते मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सुनवाई 13 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की थी।

अब याची के अधिवक्ता ने अनुरोध किया इस पर शनिवार को ही सुनवाई करें, अन्यथा याचिका निष्फल हो जाएगी। इस पर पीठ ने कहा कि कोर्ट मास्टर को केस नंबर दिया जाएगा यह देखा जाएगा कि मामला कब सूचीबद्ध करना है। राहुल व तनवीर ने याचिका दायर कर दिल्ली सरकार के फैसले को चुनौती दी है।

बदमाशों ने गार्ड को बंधक बनाकर एसबीआई के एटीएम को गैस कटर से काटा, लाखों लूटने के बाद फरार

नई दिल्ली । त्योहारों के मद्देनजर राजधानी पर आतंकी खतरा है। इसे देखते हुए दिल्ली को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। इसके बावजूद बेखौफ अपराधी लगातार वारदात को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं। बृहस्पतिवार की देर रात भी हथियार बंद बदमाशों ने दक्षिणी जिले के चितरंजन पार्क थाना क्षेत्र में एसबीआइ के एटीएम को गैस कटर से काटकर लाखों रुपये लूट लिए और वैगन आर कार से फरार हो गए। वारदात के दौरान बदमाशों ने पिस्टल व चाकू के बल पर एटीएम के गार्ड और वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति को बंधक बना लिया था।

पुलिस के मुताबिक चितरंजन पार्क थाना क्षेत्र के मस्जिद मोठ मार्केट, ग्रेटर कैलाश दो में एसबीआइ का एटीएम है। इसमें अमरजीत सिंह नाम के गार्ड की बृहस्पतिवार रात 10 बजे से डयूटी थी। शुक्रवार तड़के 5.10 बजे जब वह बूथ में बैठा था तभी अचानक तीन बदमाश बूथ के अंदर आ गए। उनमें एक ने उसका मुंह दबा चाकू दिखाकर चुपचाप बैठे रहने की धमकी दी और मोबाइल छीन लिया। उसने जब भागने की कोशिश की तो दो बदमाशों ने गाली गलौज करते हुए उस पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी दी।

डराने के लिए तीनों बदमाशों ने अपने हाथों में पिस्टल रख लिया। कुछ देर बाद एक बदमाश ने बैग से गैस कटर निकाल मशीन को पीछे की तरफ से काटना शुरू कर दिया। मशीन काटने का विरोध जताने पर बदमाशों ने उसे गंदी-गंदी गालियां दीं और चूपचाप नीचे जमीन पर बैठे रहने की धमकी दी। इसी बीच पास ही रहने वाले रमेश नाम के बाबा गुजरे तो उन्हें भी बदमाशों ने पिस्टल के बल पर बंधक बना लिया। मशीन को काटने के बाद बदमाशों ने रमेश और गार्ड अमरजीत को धक्का देकर बूथ से भगा दिया।

इसके बाद रुपयों से भरी ट्रे लेकर वैगनआर कार से चिराग दिल्ली की तरफ भाग गए। 15 से अधिक एटीएम में पिछले साल हुई थी लूट पिछले साल भी सर्दी के समय में बदमाशों ने दिल्ली-एनसीआर में ताबड़तोड़ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उस समय एक के बाद एक 15 एटीएम लूटकर बदमाशों ने पुलिस की नींद उड़ा दी थी। इसके बाद काफी मशक्कत के बाद दिल्ली पुलिस ने एटीएम में लूटपाट करने वाले कई गिरोहों के बदमाशों को दबोचने का दावा किया था।

लूट की इस वारदात को भी बदमाशों ने पिछले साल की तरह ही अंजाम दिया है। ऐसे में गत वर्ष वारदात करने वाले गिरोह के एक बार फिर सक्रिय होने का अंदेशा भी जताया जा रहा है। दागदार जवानों से सवालों में खाकी एक तरफ राजधानी में लूट, हत्या और झपटमारी की वारदात को बदमाश अंजाम दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस के जवान ही रिश्वत और फिरौती लेने के आरोप में पकड़े जा रहे हैं, जो राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित करने वाला है।

कश्मीर को लेकर विवादों में आया जेएनयू, प्रोफेसर व छात्रों ने की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली । जेएनयू में सेंटरॉर वीमेन स्टडीज द्वारा आयोजित होने वाले एक ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत अधिकृत कश्मीर शब्द का इस्तेमाल किया गया। जेएनयू के आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस इवेंट की जानकारी दी गई थी। शिक्षकों और छात्रों ने विरोध किया तो कार्यक्रम की जानकारी हटा दी गई। प्रो. पूनम ने बताया कि कुछ लोग नापाक हरकतों से बाज नहीं आते। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भला, कोई भारत अधिकृत कश्मीर लिखने या सोचने की कल्पना भी कैसे कर सकता है। ये महिलाओं से संबंधित कार्यक्रम की आ? में यह सब लिखा गया। इसकी अनुमति कैसे और किसने दी? क्या आयोजक उन महिलाओं की बात करेंगे जिन्हें कश्मीर से बेदखल किया गया था। जिनपर अमानवीय अत्याचार हुए, जो शरणार्थी कैम्प में रह रहीं हैं।

वहीं, प्रोफेसर नागेंद्र श्रीनिवासन ने कहा कि जेएनयू में भारत विरोधी गतिविधियां आज भी चल रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वेबिनार की जानकारी जेएनयू वेबसाइट पर भी अपलोड की गई थी। जब शिक्षकों ने विरोध किया तो वेबसाइट से हटा लिया गया। वेबिनार कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग नहीं मानता है और भारत अधिकृत कश्मीर की बात करता है। इस कार्यक्रम के आयोजक भारत की अखंडता और संप्रभुता को सीधी चुनौती दे रहे हैं। यह भारतीय संविधान का अपमान है। शिक्षा मंत्रालय और जेएनयू प्रशासन से अनुरोध है कि घटना का संज्ञान लें और उचित कार्रवाई करें। इस मामले में जेएनयू वीसी एम जगदीश कुमार ने कहा कि जैसे ही मामले संज्ञान में आया ऑनलाइन वेबिनार को रद करने का निर्देश दिया। इस तरह के आयोजन को लेकर अनुमति नही ली गई थी। मामले की जांच की जा रही है।

वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है। एबीवीपी ने इसे भारत विरोधी बताकर कार्रवाई की मांग की है। एबीवीपी का कहना है कि शुक्रवार को रात 8~30 बजे ÷2019 के बाद कश्मीर में लिंग प्रतिरोध और नई चुनौतियां÷ नामक एक वेबिनार आयोजित करने का एक जानबूझकर प्रयास किया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वेबिनार वेबपेज ने जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश को भारतीय कब्जे वाले कश्मीर के रूप में संबोधित किया है।

नोएडा में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाले छात्रों पर राजद्रोह का केस दर्ज, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नोएडा । पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाले जो तीन कश्मीरी छात्र (अरशीद युसूफ, शौकत अहमद गनी, अल्ताफ शेख) आगरा में गिरफ्तार किये गए थे, उन पर गुरुवार को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उक्त छात्रों में से दो की उम्र 20 साल है और एक 21 वर्ष का है।

उन्होंने कहा कि इन छात्रों को आगरा की एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत से बाहर आते समय कथित तौर पर कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। वहीं कुछ लोगों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के भी नारे लगाए। इस बीच जम्मू कश्मीर के छात्रों की एक संस्था ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया है कि छात्रों पर से राजद्रोह का मामला वापस लिया जाए।

क्या है पूरा मामला

टी-20 वर्ल्डकप मैच में पाकिस्तान की भारत पर जीत के बाद तीनों कश्मीरी छात्रों ने व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाया था। आरोप है कि उन्होंने न केवल पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाया था बल्कि देश विरोधी नारेबाजी भी की थी। मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने तीनों छात्रों को निलंबित कर दिया था।

दीवाली पर खुशियों की मिठास परोसने के लिए होटल भी तैयार, मिठाइयों से सजे गिफ्ट हैंपर कर रहे आपका इंतजार

नई दिल्ली। दीवाली का त्योहार हो और मिठाई, ड्राई फ्रूट्स व लजीज पारंपरिक व्यंजनों के बगैर दीवाली की मिठास फीकी है। दोस्तों रिश्तेदारों को उपहार में देने के लिए तरह तरह के चाकलेट, ड्राई फ्रूट्स व मिठाइयों से सजे गिफ्ट हैंपर की तलाश तेजी से हो रही है। ऐसा उपहार जो स्वाद के साथ स्वास्थ्यवर्धक भी हो। तो इस दीवाली खुशियों की मिठास परोसने के लिए दिल्ली-एनसीआर के होटल भी तैयार हैं, चाहें तो आप यहां दोस्तों रिश्तेदारों के साथ दीवाली सेलिब्रेट करें या फिर हैंपर लेकर उपहार स्वरूप भेंट करें।

खाद्य विशेषज्ञों से तैयार – होटल ताज पैलेस में खासतौर पर गिफ्ट हैंपर तैयार किए गए हैं, जो त्योहार के जश्न को और खास बना देंगे। यह हैंपर होटल के खाद्य विशेषज्ञों द्वारा काफी सोच समझकर तैयार किया गया है जो रचनात्मकता और प्रयोगधर्मिता का बेहतरीन नमूना है। इनमें घर के बने खाने जैसा लजीज स्वाद है, जिसे हस्तनिर्मित टोकरी में बड़ी ही खूबसूरती के साथ पैक किया गया है। इसकी दिल्ली-एनसीआर के अलावा अन्य शहरों में भी डिलीवरी उपलब्ध है। यह हैंपर सात नवंबर तक उपलब्ध होंगे।

फेस्ट में दीवाली विशेष भोजन

अगर दीवाली को कुछ और रोचक बनाने के लिए उत्सव में शामिल होना चाहते हैं तो चार नवंबर को शाम सात बजे से रात 11 बजे तक ताज पैलेस के दीवाली फेस्ट में शामिल हो सकते हैं। प्रति व्यक्ति तीन हजार रुपये में रंगबिरंगी रोशनी के बीच कैपिटल किचन में बुफे डिनर के साथ त्योहार का जश्न मना सकते हैं। यहां भारतीय व्यंजनों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा। होटल के क्यूमिन रेस्त्रां में 3600 रुपये में शाकाहारी दीवाली विशेष भोजन का आनंद ले पाएंगे। अगर घर बैठे ही इस ट्रीट का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो क्यूमिन एप से आर्डर की सुविधा भी उपलब्ध है। लंच और डिनर के लिए सात नवंबर तक यह सुविधा उपलब्ध है।

रेडिसन ब्लू में जश्न-ए-मिठास

दिल्ली के रेडिसन ब्लू प्लाजा में भी दीवाली को लेकर खास तरह की तैयारियां की गई हैं। यहां खास सजावट के साथ कलात्मक मिठाई, चाकलेट, कन्फेक्शनरी, सुस्वाद डेंटीज, नमकीन हैंपर्स तैयार किए हैं, जिसकी कीमत 1295 रुपये से शुरू है। दीवाली पर पारंपरिक व्यंजन भी परोसे जाएंगे।

क्राउन प्लाजा का फेस्टिव कलेक्शन– भारतीय त्योहारों में उपहार देने की परंपरा है। तभी तो क्राउन प्लाजा टुडे (गुरुग्राम) ने इस दीवाली डीलक्स और प्रीमियम हैंपर्स तैयार किए हैं। चाकलेट, कुकीज, मिठाई, नमकीन, सुगंधित मोमबत्तियां, भगवान गणेश की शानदार मूर्ति आदि आकर्षक पैक में ये हैंपर उपलब्ध हैं।दीवाली पर हैंपर्स का चलन अब आम हो गया है। हयात होटल में भी खास किस्म के हैंपर तैयार किए गए हैं। कुकीज, केक और मिठाइयों से सजे बाक्स में काफी ट्रफल, गुलकंद ट्रफल, चाकलेट, ड्राइ फ्रूटस केक, रोस्टेड नट्स, लक्जरी गिफ्टिंग आदि तैयार किए गए हैं।

संपादकीय

अगर थोड़े भी बन सके उन जैसे

महानता वंशानुगत नहीं होती। यह खुद अर्जित करनी पड़ती है। अपने कर्मों, गुणों और अपनी जीवनशैली से हम यह उपलब्धि हासिल करते हैं। बापू भी कोई अपवाद नहीं हैं। उनको परखने के बाद ही लोगों ने उन्हें महात्मा माना। बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी चाहते, तो दक्षिण अफ्रीका में अपनी वकालत जमा सकते थे। मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। वहां रंगभेद के खिलाफ शुरू हुआ उनका आंदोलन, भारत लौटने के बाद आजादी की अहिंसक जंग में तब्दील हो गया, और 'हाड़-मांस का वह दुबला आदमी' एक ऐसे साम्राज्य के खिलाफ प्रतिरोध की मशाल बन गया, जिसके 'सूरज के कभी न डूबने' के दावे किए जाते थे।

ब्रिटिश साम्राज्यवाद का सूरज तो यहां अस्त हो गया, लेकिन बापू क्या आज उसी स्वरूप में मौजूद हैं? कतई नहीं। यह उत्तर-गांधी युग है। आज महात्मा कहीं नहीं दिखते। हाल के वर्षों में भारत की जैसी छवि उभरी है, उसको देखकर तो बस यही कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में बापू की तस्वीरों को शायद दीवारों पर भी स्थान न मिले। आज हमारे चाल-चलन में, जीवन-शैली में, मान्यताओं में, कहीं भी, न तो राजनीतिक रूप में और न ही सामाजिक जीवन में गांधी या उनके दर्शन की छाप दिख रही है। इसका नुकसान यह हुआ है कि हम तेजी से सांप्रदायिक बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया को यदि मापदंड मानें, तो घृणा और हिंसा के सिवा अब कुछ भी नहीं दिखता। समाज में घृणात्मक हिंसा को मान्यता मिल गई है। किसान के खिलाफ इक्का-दुक्का ही आवाजें उठती हैं। आलम यह है कि 'जय जवान, जय किसान' की राष्ट्रीयता को जीने वाले देश में पिछले एक साल से अन्नदाता आंदोलन पर बैठे हैं, और हम उनके प्रति उदासीन बने हुए हैं। अगर यह भी मान लें कि किसानों का बहुत छोटा तबका ऐसा कर रहा है, तब भी सत्याग्रह की यह महानता है कि एक अदने इंसान की समस्या को भी यह उतना ही मान देता है, जितना बहुसंख्यक लोगों की मुश्किलों को। अगर मुट्ठी भर किसान ही मानते हैं कि उनके साथ अन्याय हो रहा है, तो यह हमारा फर्ज है कि हम उनको समझें और उनके प्रति सहानुभूति दिखाएं। मगर ऐसा नहीं हो रहा। हम घृणापोषक हो गए हैं, खुदगर्ज भी हो गए हैं।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने जैसे बापू के अन्य संदेशों का भी कुछ यही हाल है। आखिर कहां फर्क पड़ा है हमारी जातिवादी परंपरा पर? महात्मा गांधी और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, इन दोनों राष्ट्रनायकों के जीवन का एक बड़ा मकसद शोषित वर्ग को सम्मान तक लाना था। मगर हमने उनको निष्फल कर दिया। यह विफलता हमलोगों की, उनकी नहीं है, यह हमारी है कि हम उनके प्रयासों को आगे नहीं बढ़ाया। आज सामाजिक न्याय का कहीं असर नहीं दिखता। अलबत्ता, इसका इस्तेमाल समाज में विघटन लाने और सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए किया जा रहा है। आज आरक्षण की पूरी सोच को ही कठघरे में खड़ा किया जा रहा है, जबकि इसकी संकल्पना सोशल इंजीनियरिंग के लिए की गई थी। आज बहुसंख्यक लोग यही मानते हैं कि यह सवर्णों के खिलाफ अन्याय है। मगर ऐसा करते हुए वे इतिहास भूल जाते हैं कि हरिजनों पर सैकड़ों वर्षों से कितना जुल्म किया गया। आज भी दलितों की राह आसान नहीं है, लेकिन इन बातों पर हम चुप्पी साध लेते हैं। ऐसी घटनाएं अब सामान्य समझी जाने लगी हैं।

अब एक भी ऐसा क्षेत्र या जगह नहीं है, जहां बापू या राष्ट्र के अन्य रचनाकारों के सपनों को हमने साकार होने दिया हो। उनकी सोच और उनके संदेशों को हमने अपने सार्वजनिक व निजी जीवन में कतई नहीं उतारा। सहज उनकी मूर्तियां लगाने का काम जोर-शोर से किया गया है, और इसी से हम अपनी भक्ति जाहिर करने की कोशिश करते हैं। आज महात्मा गांधी बस प्रचार के माध्यम हैं। सोशल मीडिया पर होने वाली बेजा बहसों में अपनी बातों को असरदार बनाने के लिए हम उनको याद करते हैं। अलबत्ता, वहां भी उनका सही इस्तेमाल नहीं होता। उनकी भक्ति दंभी है और उनका टीका भी झूठ पर आधारित है। सत्य के पुजारी की बंदगी अब असत्य के सहारे की जा रही है। इसी तारीख को पैदा हुए देश के दूसरे प्रधानमंत्री गांधीवादी लाल बहादुर शास्त्री का भी हमने ऐसा ही अपमान किया है। यह तो उनका सद्भाग्य रहा है कि उनका प्रधानमंत्री-काल बहुत कम समय के लिए था। अगर वह लंबा होता, तो हम आज उनमें भी दोष निकाल रहे होते। उनकी सादगी भरी छवि को तार-तार कर रहे होते। उन पर जमकर टीका-टिप्पणी हो रही होती। वैसे, दिखावे के लिए कभी-कभी उनकी महिमा का मंडन किया जाता है, पर उनके जीवन के बुनियादी उसूलों को हमने भुला दिया है। वह किसानों का विकास और उनका उद्धार चाहते थे। मगर हमने यह नहीं होने दिया। हम आज ऐसी व्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं, जो किसानों से बात तक करना गवारा नहीं समझती। ऐसा करने के लिए संवेदनशील लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

साफ है, अब 2 अक्तूबर का यह महत्व नहीं रहा कि इससे महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का नाम जुड़ा है। हमने इस तारीख को अब बस अपनी भक्ति के प्रदर्शन का दिन मान लिया है। इस दिन हम नेताओं के प्रचार-प्रसार पर पूरा ध्यान दिया जाता है, जबकि उनके संदेशों की कोई चर्चा नहीं करता। अगर उनके जीवन के एक भी मूलभूत तत्व को हमने अपनाया होता, तो आज देश की यह दशा नहीं होती। बहरहाल, उम्मीद अब भी बाकी है। बापू में जो भी आस्था रखता है, वह भला नाउम्मीदी कैसे ओढ़ सकता है? गांधी अपने जीवन में कभी निराश नहीं हुए। अगर कभी वह दो कदम पीछे हटे भी, तो आगे चार कदम बढ़ने के लिए। एक बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने कभी-कभी छोटी-छोटी उपलब्धियों को दरकिनार कर दिया। बेशक हम गांधी को पूरे स्वरूप में अपने जीवन में नहीं उतार सकते, लेकिन अगर उनके जैसे थोड़े भी बन सके, तो देश का काफी भला हो सकता है। बापू में हमारी आस्था एक नया इतिहास लिख सकती है।

प्रवीण कुमार सिंह

इतिहास लेखन की सांप्रदायिक प्रविधि, जितना बताया गया उससे कहीं अधिक छुपाया गया, जानकर हैरान रह जाते लोग

एकांगी इतिहास लेखन का परिणाम यह हुआ कि भारत के बौद्धिक चिंतन कि जो धारा परतंत्रता के दौर में प्रखरता से विदेशी आक्रांताओं का प्रतिकार कर रही थी वो कुंद होने लगी। चिंतन धारा को बाधित कर अपने वैचारिकता को आगे बढ़ाने का जो उपक्रम मार्क्सवादी इतिहासकारों और बौद्धिकों ने किया उसके पीछे का सोच सिर्फ अपनी विचारधारा को पुष्ट करना था। उस विचारधारा के आधार बनाई गई राजनीतिक पार्टियों के लिए वोट पक्का करना था। अपने इस काम में वो कई सालों तक सफल भी रहे लेकिन सत्य को लंबे समय तक रोक पाना बेहद मुश्किल काम है।

गांधी जयंती के अवसर पर किशोरों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में जाने का अवसर मिला। उस कार्यक्रम में महात्मा गांधी से जुड़े कई सत्र आयोजित किए गए थे। एक सत्र में बच्चों को पांच मिनट तक बापू की जिंदगी और उनके सिद्धांतों पर बोलना था। वक्ता आ रहे थे और तय समय में अपनी बात रखकर जा रहे थे। कुछ प्रतिभागी हिंदी में और कुछ अंग्रेजी में अपनी बात रख रहे थे। आखिरी विद्यार्थी ने गांधी की जिंदगी पर बोलना आरंभ किया और उनकी हत्या पर अपनी बात खत्म की। अपने वक्तव्य के अंत में उसने कहा कि गांधी वाज किल्ड बाय ए हिंदू फैनेटिक नाथूराम गोडसे (गांधी की हत्या एक हिंदू कट्टरपंथी नाथूराम गोडसे ने की)। बात रखने के बाद वो चला गया। सभागार में सबकुछ सामान्य था लेकिन मेरे मन में एक बात चल रही थी कि उसने 'हिंदू फेनेटिक' शब्द का उपयोग क्यों किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मैं उसके पास गया और उसको लेकर सभागार से बाहर निकला। मैंने उस किशोर से पूछा कि आपने नाथूराम गोडसे को हिंदू कट्टरपंथी क्यों कहा? क्या सिर्फ कट्टरपंथी कहना काफी नहीं था। उसने जो उत्तर दिया उसने एक और बड़ा प्रश्न मेरे सामने खड़ा कर दिया। उसने कहा कि उसको बचपन से ही ये बताया/पढ़ाया जा रहा है कि गांधी कि हत्या एक हिंदू ने की। इस प्रसंग के बाद मैंने कुछ इतिहासकारों की पुस्तकों को टटोलना आरंभ किया। कई जगहों पर गोडसे को हिंदू फेनेटिक या हिंदू कट्टरपंथी कहा गया है। बच्चो को पढ़ाई जाने वाली पुस्तक जिसको भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली संस्था राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तैयार करती है उसमें भी परोक्ष रूप से नाथूराम गोडसे को हिंदू बताया गया है। इस पुस्तक में कहा गया है कि गांधी की हत्या करने वाला युवक ब्राह्मण था, पुणे का रहने वाला था और चरमपंथी हिंदू अखबार का संपादक था।

इन प्रश्नों से जूझ ही रहा था कि एक दूसरा प्रसंग सामने आया। ये प्रसंग अपनी लेखनी से ब्रिटिश साम्राज्यवाद को चुनौती देने वाले पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या से जुड़ा है। गणेश शंकर विद्यार्थी ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान 'प्रताप' साप्ताहिक पत्र के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जनमानस तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका एक पांव जेल के अंदर और एक जेल के बाहर रहता था। राष्ट्रवादियों के साथ उनका संपर्क सतत बना रहता था। गांधी की तरह इनकी भी हत्या कर दी गई थी। इनकी हत्या किसने की इस पर जितना लिखा गया उससे अधिक छिपाया गया। ज्यादातर जगहों पर ये उल्लेख मिलता है कि गणेश शंकर विद्यार्थी दंगाइयों के शिकार बन गए।

कई जगह तो सिर्फ इतना उल्लेख मिलता है कि विद्यार्थी जब समाज में समरसता स्थापित करने में लगे थे तो उन्मादियों की भीड़ ने उनको मार डाला। इस बात का उल्लेख नहीं मिलता है कि उनकी हत्या करने वाला कौन था। गांधी के हत्यारे के विपरीत यह नहीं बताया जाता है कि गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या करने वाला किस पंथ या मजहब से जुड़ा था। उनके हत्यारे की पहचान छिपा ली जाती है। गांधी जयंती समारोह के बाद मन में ये प्रश्न उठा कि इस बात की खोज की जाए कि गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या किसने की। इसको खोजना आरंभ किया। कुछ जगहों पर यह मिला कि अंग्रेज अधिकारियों ने गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या की साजिश रची थी और दंगों की आड़ में उसको अंजाम तक पहुंचा दिया।

युगपुरुष गणेश शंकर विद्यार्थी पुस्तक में उनकी हत्या के एक चश्मदीद गनपत सिंह का बयान मिला। इसमें 25 मार्च की दोपहर तीन से चार बजे कानपुर के चौबेगोला के पास की घटना का वर्णन है। 'इसी समय बकरमंडी के मुसलमानों का दल नई सड़क पहुंच गया और इस प्रकार गणेश जी फिर दो गिरोहों के बीच फंस गए। मैं उनसे पंद्रह गज की दूरी पर खड़ा हुआ था। इतने में एक मुसलमान चिल्लाकर बोला यही गणेश शंकर विद्यार्थी हैं, इसे खत्म कर दो, बचने न पाए। गिरोह में से सबसे पहले दो पठानों ने गणेश जी के साथ एक साथी पर हमला किया। वह व्यक्ति दस मिनट के अंदर वहीं मर गया।

इतने में कुछ मुसलमान गणेश जी पर दौड़ पड़े और एक ने उनपर छुरे से वार कर दिया और दूसरे ने कांते का प्रहार किया। गणेश जी भूमि पर गिर पड़े और कुछ अन्य लोग भी उनपर प्रहार करने लगे।' तीन चार दिन बाद विद्यार्थी जी की लाश मिली थी। इस प्रसंग का उल्लेख लखनऊ के लोकोदय प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक अंतर्वेद प्रवर में भी मिलता है। इस पुस्तक में गणेश जी के साथ रहे शंकरराव टाकलीकर का बयान प्रकाशित है। उसमें भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या मुसलमानों की भीड़ ने की थी। अब गांधी जी की हत्या के प्रसंग को और गणेश शंकर विद्यार्थी की हत्या की घटना और उसपर प्रचलित लेखों की भाषा पर नजर डालें तो आपको पता चल जाएगा कि इतिहास के साथ किस तरह का छल किया गया है। गांधी की हत्या 'हिंदू कट्टरपंथी' करता है और विद्यार्थी जी की हत्या 'उन्मादी भीड़' करती है। इतिहास लेखन की ये सांप्रदायिक प्रविधि है। इस तरह के लेखन के पीछे की मंशा क्या हो सकती है इपर भी विचार किया जाना आवश्यक है। वामपंथी इतिहासकारों के इस तरह के छल की सूची बहुत लंबी है। इतिहास के नाम पर जिस तरह का लेखन स्वतंत्र भारत में विचारधारा विशेष के इतिहासकारों ने किया वो अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है।

मार्क्सवादियों के बौद्धिक प्रभाव में इस तरह की धारा अकादमिक जगत में चली जिसने कई पीढ़ी के विद्यार्थियों के मन में अपने ही इतिहास को लेकर एक अलग छवि का निर्माण किया। समाज में वैमनस्यता की लकीर गहरी करे में इस तरह का इतिहास लेखन भी जिम्मेदार है। यह सब तब हो रहा था कि जब हमारे देश में साक्षरता दर कम थी और संचार के अन्य माध्यम नहीं थे । जो लिख दिया जाता था उसको अंतिम सत्य मान लिया जाता था। उनके लिखे को चुनौती देने वालों को अकादमिक जगत में ये स्वीकार ही नहीं करते थे। उनकी उपेक्षा की जाती थी। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की स्थापना के उद्देश्यों और उसपर मार्क्सवादी इतिहासकारों के कब्जे के इतिहास पर नजर डालने से ये सब बहुत स्पष्ट रूप से दिखता है।

जब देश स्वतंत्र हुआ था उस समय अगर इतिहास अनुसंधान परिषद में बगैर वैचारिक फिल्टर लगाए इतिहास लेखन का काम हुआ होता तो आज इतिहास को लेकर जो भ्रम है वो नहीं होता। उस वक्त स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों के अनुभवों को कलमबद्ध कर उसका प्रकाशन किया जाता तो इतिहार की सूरत अलग होती। लेकिन मार्क्सवादी इतिहासकारों ने ऐसा होने नहीं दिया। एकांगी इतिहास लेखन का परिणाम यह हुआ कि भारत के बौद्धिक चिंतन कि जो धारा परतंत्रता के दौर में प्रखरता से विदेशी आक्रांताओं का प्रतिकार कर रही थी वो कुंद होने लगी। चिंतन धारा को बाधित कर अपने वैचारिकता को आगे बढ़ाने का जो उपक्रम मार्क्सवादी इतिहासकारों और बौद्धिकों ने किया उसके पीछे का सोच सिर्फ अपनी विचारधारा को पुष्ट करना था। उस विचारधारा के आधार बनाई गई राजनीतिक पार्टियों के लिए वोट पक्का करना था। अपने इस काम में वो कई सालों तक सफल भी रहे लेकिन सत्य को लंबे समय तक रोक पाना बेहद मुश्किल काम है।

अधिकांश चयनित प्रतिनिधि भुला चुके अपने मूल उत्तरदायित्व

आज देश की राजनीति किन रोगों से ग्रस्त हो गई है, उनसे कोई अपरिचित नहीं है। जिस देश की संविधान सभा की अध्यक्षता डा. राजेंद्र प्रसाद जैसे मनीषी ने की हो, जिसके स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया हो, उसमें यह कल्पनातीत होना चाहिए कि उसके अधिकांश चयनित प्रतिनिधि अपने मूल उत्तरदायित्व भुला चुके होंगे। उनका सारा ध्यान अपने, अपने परिवार, अगले चुनाव जीतने पर केंद्रित हो जाएगा। सिद्धांतों और नैतिकता पर चर्चा करने तक का समय उनके पास नहीं होगा। क्या यह उचित नहीं होता कि देश की संसद और विधानसभाएं 'सत्याग्रह तथा नैतिकता' जैसे विषयों पर गहन संवाद करतीं, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का आशय समझने का प्रयास करतीं। शाहीन बाग और किसान आंदोलन के औचित्य-अनौचित्य से परे भी एक विचारणीय पहलू था। वह यह कि इनसे लाखों लोगों को जो घोर कष्ट हुआ, व्यवसाय में व्यवधान पड़ा, भूखों मरने की नौबत आई, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? सामान्य नागरिक को सरकार की ही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय तक की निरीहता पर कष्ट हुआ। देश के वे राजनेता और राजनीतिक दल जो अपने को गांधी जी की विरासत का उत्तराधिकारी घोषित करते रहते हैं, वे यह बताने का साहस नहीं कर सके कि सत्याग्रही आंदोलनकारी कभी भी व्यक्ति और देश की हानि स्वीकार नहीं कर सकता। साफ दिखता है कि गांधी जी के सिद्धांतों और वचनों से आज की राजनीति कितनी दूर चली गई है। गांधी जी के अनुसार, 'अनुशासन और विवेकयुक्त जनतंत्र दुनिया की सबसे सुंदर वस्तु है, लेकिन राग-द्वेष, अज्ञान और अंधविश्वास आदि दुगरुणों से ग्रस्त जनतंत्र अराजकता के गड्ढे में गिरता है और अपना नाश खुद कर लेता है।' जाहिर है यह समय चेत जाने का है। राष्ट्र की कितनी ही ऊर्जा केवल अपनी-अपनी दलगत राजनीति को चमकाने और चुनाव जीतने में व्यय हो रही है। इसका एक चौथाई भाग भी यदि सभी राजनेता और राजनीतिक दल जनसेवा में लगाएं तो जनतंत्र जागृत होगा, जनजीवन में नैतिकता भी स्वतः ही अपना स्थान पा सकेगी।

अनेक अवसरों पर विद्वत-वर्ग इस विषय पर चर्चा करते हैं कि सबसे प्राचीन गणतंत्र भारत में ही था। उनमें वैशाली और लिच्छवी जैसे गणतंत्र का नाम आवश्यक रूप से लिया जाता है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत जनतंत्र की जननी है। हालांकि, देश में जनतंत्र का जो स्वरूप आज व्यावहारिक स्तर पर उभरा है, वह उस कल्पना से तो निश्चित ही मेल नहीं खाता, जिसकी संकल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, जिसके लिए अनगिनत लोगों ने त्याग और बलिदान दिए थे।

आज भारत एक जागृत जनतंत्र है, जिसकी अनेक उपलब्धियां हैं, मगर यह भी सत्य है कि आज के युवाओं के समक्ष जो स्थितियां उभरी हैं, वे आजादी के दीवानों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाती हैं। उन्हें इसे समझना और सुधारना है। 1947 में देश ने स्वतंत्रता पाने का समारोह मनाया, मगर जो विस्थापन और हिंसा उस समय लाखों परिवारों ने झेली, वह इतिहास का एक ऐसा सबक है जिसे भारत की हर पीढ़ी को जानना चाहिए। उसे इस तथ्य को भी पहचानना, समझना और स्वीकार करना आवश्यक है कि भारत का वास्तविक इतिहास केवल स्वतंत्रता के पहले के शासकों द्वारा ही विकृत नहीं किया गया, बल्कि स्वतंत्रता के बाद भी और आज तक वह वामपंथी मानसिकता का बंधक बना है। 1999-2000 में एक प्रयास किया गया था कि जो तथ्य वैज्ञानिक आधार पर उपलब्ध हुए हैं, उन्हें अब पुस्तकों में लाया जाए। इतिहास में जो तथ्य तोड़े-मरोड़े गए हैं, उन्हें वैचारिक जकड़न से मुक्त किया जाए। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। पिछले दिनों जब यह चर्चा चली कि भारत विभाजन की विभीषिका को भावी पीढ़ियों को जानना चाहिए और उन स्थितियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जिससे वे भविष्य में पुनः निर्मित न हो सकें तो उसका विरोध करने वाले सामने आए। उन्हें इसमें सांप्रदायिकता तक दिखाई दे गई। इसी तरह का रवैया वीर सावरकर के बारे में कुछ नए तथ्य सामने आने पर दिखाया गया। तथ्य यह है कि भारत-विभाजन और उसके पहले और बाद का इतिहास अभी भी वस्तुनिष्ठ ढंग से लिखा जाना है। राजनीति प्रेरित पंथनिरपेक्षता के नाम पर भावी पीढ़ियों को तथ्यात्मक इतिहास से वंचित करना अब बंद होना ही चाहिए। जनतंत्र की शक्ति तो विद्वत वर्ग की वैचारिक पवित्रता में निहित होती है। यह उन्हीं का उत्तरदायित्व है कि वे जनतंत्र की जड़ें मजबूत करें। ऐसा वे लोग कतई नहीं कर सकेंगे, जो सत्ता के निकट पहुंचने के लिए लगातार प्रयत्नशील बने रहे, उसके कृपापात्र बने रहे और अपनी निष्पक्षता का उत्तरदायित्व भूल गए। दुर्भाग्य से भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभ से ही एक बड़ा वर्ग इसी में लिप्त रहा। जिस नैतिकता को भारत के प्रजातंत्र की आधारशिला बनाना था, वह धीरे-धीरे कमजोर होती गई। आज यदि देश में दो स्थानों पर एक ही जैसी हत्याएं होती हैं, तो उन पर प्रतिक्रिया भी चुनावों पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखकर दी जाती है। संविधान सभा के अध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद ने सभा में 26 नवंबर, 1949 को एक ऐतिहासिक भाषण दिया था। इसमें उन्होंने यह कहा था कि संविधान में जो भी व्यवस्था की गई हो, उसका क्रियान्वयन तो उसे लागू करने वाले लोगों पर निर्भर करेगा। यदि चयनित प्रतिनिधि योग्य, चरित्रवान तथा ईमानदार होंगे तो वे एक त्रुटिपूर्ण संविधान का भी सर्वोत्तम उपयोग कर सकेंगे, लेकिन यदि उनमें इन तीनों गुणों की कमी होगी तो संविधान भी कोई मदद नहीं कर सकेगा।

चीन के खिलाफ तैयारी

चीन की ओर से तात्कालिक और दीर्घकालिक चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में संरचनागत निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ा रही है। दरअसल, पिछले साल जून महीने में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच विभिन्न स्तरों पर बातचीत लगातार चल रही है, कुछ बिंदुओं पर सहमति भी बनी, लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों में तनाव कम नहीं हो पा रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर %यथास्थिति% बहाल करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच विवाद अभी बने हुए हैं। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच अविश्वास भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर को हुई सैन्य स्तर की 13वें दौर की बातचीत तो गतिरोध टूटने की कोई संभावना दिखाए बगैर ही समाप्त हुई। इसी बीच चीन ने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अरुणाचल यात्रा पर ऐतराज जताकर यह संकेत भी दे दिया कि पूर्वी लद्दाख स्थित सीमाओं के साथ ही वह अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों पर विवाद खड़ाकर किसी भी समय इसे व्यापक रूप दे सकता है और अपनी सुविधा के हिसाब से जब जहां चाहे तनावपूर्ण हालात बना सकता है। ऐसे में स्वाभाविक ही है कि भारतीय सेना अपने तईं पूरी सावधानी बरतते हुए चल रही है। जहां पूर्वी लद्दाख क्षेत्रों में करीब 50 हजार सैनिकों की तैनाती बरकरार रखी गई है, वहीं अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती सीमा पर निरंतर चौकसी के इंतजाम रखते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के काम को भी जोर-शोर से आगे बढ़ाया जा रहा है। ध्यान रहे कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी करीब 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर नजर बनाए रखना अपने आप में खासा चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल सैन्य तैनाती में खास इजाफा किए बगैर तकनीकी क्षमता बढ़ाते हुए इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है और इसमें यह स्थिति हासिल कर ली गई है कि दुश्मन किसी भी सूरत में हमें चौंका न पाए। जहां तक इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात है तो इसमें रातोंरात कोई बड़ा बदलाव तो नहीं हो सकता, लेकिन बिना किसी शोर-शराबे के उस मोर्चे पर भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब 20 पुल, बड़ी संख्या में सुरंग और एयरबेस बनाने के अलावा कई महत्वपूर्ण इलाकों को सड़क से जोड़ने की योजना है। इसके अलावा तवांग को रेल से जोड़ने के प्रॉजेक्ट पर भी काम हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सबके पीछे रिएक्टिव ऐप्रोच नहीं है। सेना दीर्घकालिक चुनौतियों के मद्देनजर अपनी जरूरतें समझते हुए तैयार की गई योजनाओं के अनुरूप काम कर रही है। निश्चित रूप से ये तैयारियां जहां हमारी सीमाओं को सुरक्षित बनाकर हमें निश्चिंत करेंगी, वहीं बुरा इरादा रखने वाली ताकतों को भी आगाह करेंगी कि अपनी भलाई को देखते हुए

अंजाम तक पहुंचें भ्रष्टाचार के मामले, 2जी मामले में पूर्व मंत्री ए. राजा पर गिरी थी गाज

2जी मामले के अभियोजन पक्ष का यह आरोप था कि कलैगनार टीवी को रिश्वत के रूप में शाहिद बलवा की कंपनी डीबी ग्रुप ने 200 करोड़ रुपये दिए थे। उस टीवी कंपनी का मालिकाना हक करुणानिधि परिवार से जुड़ा है। विशेष अदालत को चाहिए था कि दफा-165 का प्रयोग करते हुए इस 200 करोड़ रुपये की लेनदेन के मामले में पूछताछ करती, पर अदालत ने ऐसा नहीं किया। दरअसल बड़े घोटाले के आरोपों को लेकर कांग्रेस सरकार की यह रणनीति रही है कि पहले मामले को रफा-दफा करवा दो। फिर आरोप लगाने वालों को ही बाद में कठघरे में खड़ा कर दो। सवाल है कि क्या उसकी यह रणनीति अगले चुनाव में काम आएगी?

कुछ हलकों में फिर से यह सवाल उठाया जा रहा है कि बोफोर्स तोप घोटाले से संबंधित आरोपों का क्या हुआ? 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले का क्या हुआ? उनकी दलील है कि प्रतिशोध के तहत उठाए गए मामलों का यही परिणाम होने वाला था। क्या उनका यह तर्क सही है और तथ्यों पर आधारित है? कतई नहीं। फिर भी अगले चुनाव में राजग विरोधी दल इन्हीं बोगस तर्कों के बाण चलाने वाले हैं। इसकी भूमिका तैयार की जा रही है। वैसे ये कारगर नहीं होंगे। पिछले चुनावों में भी ये तर्क नाकाम रहे, क्योंकि तथ्य इनके विपरीत हैं। इसीलिए बोफोर्स घोटाले को लेकर 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई थी। 2जी घोटाले के कारण संप्रग को 2014 के चुनाव में नुकसान हुआ था। 2जी घोटाले में सीबीआइ की अपील दिल्ली हाईकोर्ट में विचाराधीन है। वैसे बोफोर्स मामले में भी अजय अग्रवाल की जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। हालांकि, उस याचिका का क्या हश्र होगा, वह अनिश्चित है। किंतु 2जी घोटाला मामले के तार्किक परिणति तक पहुंचने की पूरी संभावना है।

देखा जाए तो हाल के वर्षों में सत्ता की राजनीति में एक भारी फर्क आया है। पहले की सरकारें अस्थायी होती थीं। बदलती रहती थीं। उस स्थिति में बोफोर्स और 2जी घोटाले जैसे मुकदमों को कमजोर कर देने की सुविधा निहित स्वार्थी वर्ग को मिल जाती थी, पर अब तो करीब साढ़े सात साल से केंद्र में एक ही गठबंधन की सरकार है। संभावना है कि आगे भी वह कायम रह सकती है। ऐसे में गंभीर

भ्रष्टाचार के जो भी मुकदमे देश की विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं, उनके तार्किक परिणति तक पहुंचने की आस बंधी है। कांग्रेस सहित अनेक गैर राजग नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े तमाम मामले इन दिनों अदालतों में चल रहे हैं। उन मुकदमों से संबंधित आरोपित यह उम्मीद कर रहे हैं कि जिस तरह बोफोर्स मामले में सारे सुबूतों की मौजूदगी के बावजूद मामला रफा-दफा कर दिया गया था उसी तरह केंद्र की सत्ता बदलते ही हम उन मुकदमों से मुक्त हो जाएंगे, लेकिन लगता नहीं कि उनकी उम्मीदें पूरी होंगी।

बोफोर्स तोप खरीद मामले में एक महत्वपूर्ण विसंगति हुई है। उम्मीद की जाती है कि उस ओर सुप्रीम कोर्ट का ध्यान जरूर जाएगा। मनमोहन सिंह के शासनकाल में भारत सरकार के आयकर न्यायाधिकरण ने कहा था कि बोफोर्स की दलाली में 41 करोड़ रुपये ओत्तवियो क्वात्रोची और विन चड्ढा को मिले। भारत सरकार ने किसी तरह की दलाली को पहले ही गैर कानूनी घोषित कर रखा था। ऐसे में न्यायाधिकरण के अनुसार उस पर भारत सरकार का आयकर बनता है। क्वात्रोची तो मनमोहन सरकार की मेहरबानी से लंदन स्थित स्विस बैंक शाखा में जमा दलाली के पैसे निकाल कर पहले ही फरार हो चुका था, पर आयकर महकमे ने विन चड्ढा के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी। उसने सूद के साथ विन चड्ढा पर 224 करोड़ रुपये का दावा ठोका। आयकर विभाग ने 2019 में मुंबई स्थित विन चड्ढा के फ्लैट को 12.2 करोड़ रुपये में नीलाम कर दिया। विन चड्ढा के परिजनों ने इस नीलामी का विरोध तक नहीं किया।

विसंगति यह है कि दलाली के जिस पैसे पर इस देश के आयकर विभाग ने आयकर वसूल लिया, उस दलाली के मुकदमे को तार्किक परिणति तक पहुंचने ही नहीं दिया गया। यदि अग्रवाल की याचिका पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट सिर्फ इस एक बिंदु पर भी गौर करे तो यह मामला अंजाम तक पहुंच जाएगा। इस नीलामी के साथ यह प्रचार गलत निकला कि बोफोर्स तोप सौदे में कोई दलाली नहीं ली गई थी। यही बात तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी लगातार कहते रहे थे कि कोई दलाली नहीं ली गई, लेकिन उनकी बातों पर लोगों ने अविश्वास किया। नतीजतन 1989 के चुनाव में कांग्रेस हार गई। वह लोकसभा चुनाव मुख्यतः बोफोर्स तोप सौदे में हुए घोटाले को मुद्दा बनाकर लड़ा गया था।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में 2जी स्पेक्ट्रम तथा कुछ अन्य घोटाले मुद्दे थे, लेकिन जब तक 2जी घोटाले के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट का कोई निर्णय नहीं आता है, तब तक उसकी चर्चा होती ही रहेगी। 2जी घोटाले का मामला अभी दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। सीबीआइ की विशेष अदालत ने इसके आरोपितों को बरी कर दिया था। 2जी घोटाले की जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआइ ने की। आरोप है कि मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान सीबीआइ ने ठीक से यह केस नहीं लड़ा। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने प्रथमदृष्ट्या घोटाला मानकर 122 लाइसेंस रद कर दिए थे। उन पर जुर्माना भी लगाया था। जांच के बाद आरोप पत्र दाखिल हुआ। केस की सुनवाई शुरू हुई तो विशेष अदालत ने भारतीय साक्ष्य कानून की धारा-165 का इस्तेमाल तक नहीं किया। यह धारा अदालत को यह अधिकार देती है कि वह किसी भी नए तथ्य के सामने आने पर गवाह या पक्षकार से पूछताछ कर सकती है।

2जी मामले के अभियोजन पक्ष का यह आरोप था कि कलैगनार टीवी को रिश्वत के रूप में शाहिद बलवा की कंपनी डीबी ग्रुप ने 200 करोड़ रुपये दिए थे। उस टीवी कंपनी का मालिकाना हक करुणानिधि परिवार से जुड़ा है। विशेष अदालत को चाहिए था कि दफा-165 का प्रयोग करते हुए इस 200 करोड़ रुपये की लेनदेन के मामले में पूछताछ करती, पर अदालत ने ऐसा नहीं किया।

दरअसल बड़े घोटाले के आरोपों को लेकर कांग्रेस सरकार की यह रणनीति रही है कि पहले मामले को रफा-दफा करवा दो। फिर आरोप लगाने वालों को ही बाद में कठघरे में खड़ा कर दो। सवाल है कि क्या उसकी यह रणनीति अगले चुनाव में काम आएगी? वर्ष 2014 और 2019 में तो कोशिश के बावजूद यह तरकीब काम नहीं आई थी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बिकरू कांड- 30 गैंगस्टर आरोपितों के विरुद्ध चार्जशीट, जय बाजपेयी समेत 29 को न्यायालय में किया गया पेश

कानपुर देहात । बिकरू कांड में गैंगस्टर के आरोपित 30 लोगों के खिलाफ पुलिस ने गुरुवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पंचम रवि यादव की अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मामले में जिला जेल से लाकर 29 आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया। बचाव व अभियोजन पक्ष को सुनने के बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए 26 नवंबर की तारीख तय कर दी है। चौबेपुर थानाक्षेत्र के बिकरू गांव में दो जुलाई 2020 को विकास दुबे व उसके साथियों ने दबिश देने गई पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी। घटना में आठ पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हो गए थे। मामले में पुलिस ने आरोपितों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। गुरुवार को बिल्हौर थाना प्रभारी अनूप कुमार निगम ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की। पुलिस ने आरोपपत्र में अपराध कर संपत्ति कमाने व गिरोह बनाकर अपराध करने का आरोप लगाया है। वहीं, मामले की सुनवाई के दौरान आरोपित जय बाजपेयी, हीरू, बीरू, धीरू, श्यामू, रामू बाजपेयी, राम सिंह, शिवम दलाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गुड्डन उर्फ अरविंद त्रिवेदी सहित 29 आरोपितों को जिला जेल से न्यायालय में पेश किया गया। वहीं विकास दुबे के नौकर दयाशंकर के कानपुर जेल से आने में असमर्थ होने के कारण उसे 29 अक्टूबर को तलब किया गया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धनंजय पांडेय ने बताया कि न्यायालय में 30 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की गई है, अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

गया में अचार व्यवसायी से एक लाख 20 हजार कैश लूट, बैंक से ही पीछा कर रहे थे अपराधी, छानबीन शुरू

गया। पर्व-त्योहार में एक बार फिर झपट्टमार गिरोह सक्रिय हो गया है। शहर में सक्रिय अपराधी लगातार आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कुछ ऐसी ही घटना गुरुवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के महारानी बस स्टैंड के समीप सरावगी पेट्रोल पंप के पास घटी। पल्सर बाइक सवार अपराधियों ने अचार व्यवसायी से एक लाख 20 हजार रुपये छीन लिया और फरार हो गए। इस लूटकांड को अंजाम देकर बदमाशों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। पीड़ित अचार व्यवसायी रेवती कांत पांडेय ने बताया कि चंदौती के पंजाब नेशनल बैंक से एक लाख 35 हजार रुपये निकासी किए थे। बैग में एक लाख 20 हजार रुपये रखे हुए थे, बाकी की 15 हजार रुपये की राशि जेब में रखे हुए थे। बैंक से रुपये की निकासी करने के बाद लौट ही रहे थे कि महारानी बस स्टैंड के समीप सरावगी पेट्रोल पंप के पास तेजी से बाइक सवार आया। झपट्टा मारकर रुपए से भरा बैग लेकर भाग निकला। जब हमने हो-हल्ला किया तो सब लोग समझ नहीं पाए। मौका देखकर बदमाश भाग निकले। उनका पावरग्रिड तक पीछा किया, लेकिन अपराधी किस रास्ते से निकले, पता ही नहीं चला। बाइक पर दो लोग सवार थे, जिन्होंने लूट की घटना को अंजाम दिया। बैग में कलेक्शन की रसीद भी थी और चेक भी, वह भी लेकर भाग गये। दरअसल, पीड़ित अचार व्यवसायी शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के माडनपुर के रहने वाले हैं, जो इसी व्यवसाय से अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वहीं, पीड़ित व्यवसायी ने लूट की घटना की लिखित शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़ित का आवेदन मिला है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी की जांच की जा रही है। बैंक में लगे सीसी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को यकीन है कि बैंक के अंदर लुटेरों का कोई साथी लंबे समय से रेकी कर रहा होगा।

मेरठ में बोले शिवपाल यादव-नेताजी ही कराएंगे मेरे और अखिलेश के बीच गठबंधन

मेरठ । मेरठ में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश से भाजपा को हटाने के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को एक होना होगा। प्रदेश में सपा से गठबंधन उनकी प्राथमिकता है। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) मेरे और अखिलेश के बीच बात कराएंगे। ये बात शुक्रवार को वेस्टर्न यूपी चेम्बर आफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज बाम्बे बाजार के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में कहीं। शिवपाल यादव आज ही सहारनपुर भी जाने वाले हैं। वहां भी सभा का आयोजन किया जाएगा।

किसी पार्टी से होगा गठबंधन- शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उनकी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी से जरूर गठबंधन करेगी। इसकी घोषणा समय होगा। इसमें उनका इशारा कांग्रेस की तरफ था। कहा कि भाजपा सरकार में किसान बदहाल है। मंहगाई सातवें आसमान पर है। कहा कि हुनरमंद भी परेशान हैं। बेरोजगारी बढ़ गई है।

मुझे सम्मान चाहिए- प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा शुरू की है। जो 12 अक्टूबर को मथुरा से शुरू होकर विभिन्न शहरों से होते हुए मेरठ पहुंची है। चाचा भतीजे के बीच गठबंधन के सवाल पर कहा कि मुझे सम्मान चाहिए। इस दौरान प्रदेश सचिव शशि पिंटू राणा, जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी, प्रदेश सचिव जीशान अहमद, शैंकी वर्मा, शाबास समीर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बसपा सांसद अतुल राय को न्यायिक हिरासत में, अमिताभ ठाकुर की जमानत अर्जी मंजूर

लखनऊ । दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती व उसके गवाह की आत्मदाह से हुई मौत के मामले में अभियुक्त अतुल राय को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शुक्रवार को अतुल राय को प्रयागराज की नैनी जेल से जरिए वीडियो कान्फ्रेसिंग अदालत में पेश किया गया था। सीजेएम रवि कुमार गुप्ता ने अभियुक्त अतुल राय का 11 नवंबर तक के लिए न्यायिक रिमांड मंजूर किया। बीते 27 अक्टूबर को अदालत ने इस मामले में न्यायिक रिमांड के लिए अभियुक्त अतुल राय को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से पेश करने का आदेश दिया था। घोसी से बसपा सांसद अतुल राय एक अन्य आपराधिक मामले में प्रयागराज की नैनी जेल में न्यायिक हिरासत में निरुद्ध हैं। 27 अगस्त, 2021 को इस मामले की एफआइआर वरिष्ठ उपनिरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी ने थाना हजरतगंज में आईपीसी की धारा 120बी, 167, 195ए, 218, 306, 504 व 506 के तहत दर्ज कराई थी। जिसमें अतुल राय के साथ ही पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अमिताभ ठाकुर को नामजद किया गया था। अमिताभ को उसी रोज गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। अमिताभ के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल हो चुका है। सत्र अदालत से उनकी जमानत अर्जी भी खारिज हो चुकी है।

ललितपुर में मृत किसान के स्वजनों से मिलीं प्रियंका गांधी वाड्रा, खाद की लाइन में खड़े होकर तोड़ा था दम

ललितपुर। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद सक्रिय कांग्रेस का फोकस किसान परिवार हैं। लखीमपुर खीरी की हिंसा में मृत किसानों के परिवार को बड़ी आर्थिक मदद देने के बाद कांग्रेस अब ललितपुर में मृत किसान के घर पर है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ललितपुर, बुंदेलखंड में पीड़ित किसान परिवारों से मिलकर उनकी पीड़ा साझा की।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार रात लखनऊ से ट्रेन से चलकर शुक्रवार सुबह ललितपुर पहुंचीं और सीधा मृत किसान भोगी पाल के घर का रुख किया। उन्होंने इस दौरान मृतक किसान के परिवार से बातचीत कर उनका हाल जाना। प्रियंका ने परिवार को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का भरोसा भी दिया है। प्रियंका के इस दौरे पर आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य भी उनके साथ थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की कुव्यवस्था से उपजी खाद की कमी से लाइन में

खड़े-खड़े किसानों की मृत्यु हो गई थी। खाद न मिलने से परेशान एक किसान ने तो आत्महत्या कर ली थी। सभी किसानों ने खेती के लिए भारी-भरकम कर्ज लिए थे और सरकार की नीतियों के चलते कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे थे। खाद न मिलना, मुआवजा न मिलना और फसल बर्बादी से किसानों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बोरियों में कम खाद मिल रही है। खाद के दाम में भी बढ़ोतरी की गई है। किसान क्या करेंगे। उनके पास बहुत सारी समस्याएं हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार उनकी नहीं सुन रही है। देश में किसान महीनों से सड़कों पर हैं। कहीं-कहीं पर तो उनको वाहनों से कुचला जा रहा है। सरकार पूरी तरह से विफल हुई है। सरकार ने किसानों को पूरी तरह से नकारा है। यह केवल 4 परिवारों की समस्या नहीं है बल्कि पूरे बुंदेलखंड की यही समस्या है।

ललितपुर जिले के जाखलौन थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी किसान भोगी पाल की हाल ही में मौत हो गई थी। वह खाद की दुकान में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। जुगपुरा में एक फर्टिलाइजर स्टोर के बाहर दो दिन से लाइन खड़े थे। इस दौरान दिल का दौरा पड़ने के कारण उनकी मौत हो गई। ललितपुर जिले में खाद का संकट है और पिछले दिनों ही किसानों ने वहां पर प्रदर्शन किया था।

ललितपुर में ही बीते दिनों ही जिले की तहसील के ग्राम रोंधा में भी एक किसान ने खाद न मिलने के विरोध में सुसाइड करने की कोशिश की थी। किसान का आरोप था कि रोंधा सहकारी समिति पर किसानों को खाद नहीं मिल रही है और इससे कारण फसल को नुकसान हो रहा है। खाद न मिलने के कारण किसान श्यामलाल (50) फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन उसके साथ किसानों ने उसे बचा लिया।

इससे पहले कांग्रेस महासचिव वाड्रा ने गुरुवार रात लखनऊ से ललितपुर जाते समय लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कुलियों से मुलाकात की। कुलियों ने उन्हें अपनी आजीविका से जुड़ीं समस्याएं बताईं, जिस पर प्रियंका ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बाद में प्रियंका ट्रेन से ललितपुर के लिए रवाना हो गईं।

आधी रात बाद 15 आइएएस अफसरों का तबादला, पद पर बने रहेंगे अमेठी व मऊ के जिलाधिकारी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अब उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला आधी रात के बाद भी जारी है। गुरुवार देर रात 15 आइएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। इनमें जिलाधिकारी पद से हटाए गए दो का तबादला निरस्त किया गया है जबकि प्रतीक्षरत दो को नई तैनाती मिली है।

उत्तर प्रदेश शासन ने गुरुवार देर रात 15 आइएएस अधिकारियों का तबादला किया। इनमें से बुधवार देर रात किए गए दो आइएएस अधिकारियों के तबादले निरस्त कर दिए गए हैं। डीएम अमेठी से डीएम मऊ के पद पर किया गया अरुण कुमार का तबादला रद कर दिया गया है। वह अब डीएम अमेठी बने रहेंगे। विशेष सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग से डीएम अमेठी के पद पर भेजे गए शेषमणि पांडेय का तबादला भी निरस्त कर दिया गया है। वह अब हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग में विशेष सचिव रहेंगे। इसके साथ ही जिलाधिकारी अयोध्या के पद से हटाए जाने के बाद प्रतीक्षारत अनुज कुमार झा को निदेशक पंचायती राज के पद पर तैनाती मिली है। इनके साथ ही लम्बे समय से प्रतीक्षारत देवेन्द्र कुमार पाण्डेय को विशेष सचिव एपीसी के पद पर तैनात किया गया है।

डीएम अमेठी अमित कुमार का तबादला निरस्त किया गया है जबकि डीएम मऊ अमित सिंह बंसल भी अपने पद पर बने रहेंगे। इनके अलावा अनुज झा को निदेशक पंचायती राज, आंद्रा वामसी को एमडी कौशल विकास मिशन, कुणाल सिल्कू को एमडी पीसीबीएफ, वीके सिंह को ग्राम विकास आयुक्त, उज्जवल कुमार को विशेष सचिव आईटी, अरविंद चौरसिया को विशेष सचिव आवास, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी को विशेष सचिव लोक निर्माण विभाग, देवेन्द्र कुमार पाण्डेय को विशेष सचिव एसीपी, शेषमणि पाण्डेय को विशेष सचिव हथकरघा, ए दिनेश कुमार को विशेष सचिव नगर विकास, प्रशांत कुमार को विशेष सचिव लघु उद्योग विभाग, अभिषेक सिंह को विशेष सचिव व्यावसायिक शिक्षा तथा ऋषिरेन्द्र कुमार को विशेष सचिव कृषि विभाग के पद पर तैनाती मिली है।

जदयू के पूर्व एमएलसी अनुज कुमार थामा राजद का हाथ, औरंगाबाद में सीएम पर खूब बरसे तेजस्वी यादव

औरंगाबाद। राजद ने नया बिहार बनाने का संकल्प लिया है। यह तभी संभव होगा जब बिहार के सभी जाति, धर्म व समाज के हर वर्ग के लोग साथ देंगे। उक्त बातें गुरुवार को औरंगाबाद के सदर प्रखंड के जीटी रोड किनारे पांडेयपुर हसौली गांव के पास मिलन समारोह को संबोधित करते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहीं। गया के पूर्व जदयू एमएलसी एवं पूर्व जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह को राजद में शामिल कराने को लेकर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, बिहार की जनता राजद के साथ है। अब लड़ाई सरकार यानी नीतीश कुमार एवं जनता यानी राजद के बीच हो रही है। तारापुर और कुश्वेश्वरस्थान विधानसभा उपचुनाव की चर्चा करते हुए कहा, दोनों सीटें राजद जनता के सहयोग से जीत रहा है। मुख्यमंत्री से लेकर एनडीए के तमाम नेताओं को हार का आभास हो गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा, चुनाव राजद ने जीता था, पर गड़बड़ी कर सरकार एनडीए की बनी और सीएम नीतीश कुमार बने। मतों की गिनती चल ही रही थी कि अचानक चार बजे रोक दी गई। हम सभी राजद के लोग समझ गए कि दाल में कुछ काला है। चार बजे के बाद राजद के जीते हुए प्रत्याशियों को हारे जाने की घोषणा कर दी गई। जनादेश की चोरी कर नीतीश कुमार सीएम बने और सरकार बनाई। वे जनता के नहीं, बल्कि अधिकारी

के सीएम हैं। उनकी सभा में जो लोग खिलाफ में बोलते हैं, नारा लगाते हैं उन्हें सीधे जेल भेज दिया जाता है। कहा, कोई ऐसा व्यक्ति नहीं जो नीतीश कुमार के साथ रहे और उन्हें वे ठगे नहीं। वे अब इतना क्यों गड़बड़ा गए हैं, समझ में नहीं आता है। बढ़ी महंगाई, डीजल, पेट्रोल और गैस के बढ़े दाम की चर्चा करते हुए कहा, पीएम मोदी कहते थे देश नहीं बिकने देंगे आज देश के सभी सरकारी विभागों को बेच रहे हैं। पीएम मोदी पर पिछले लोकसभा चुनाव में जनता से किए गए वादों में एक भी पूरा नहीं करने की बात कही।

नेता प्रतिपक्ष ने जनता से आह्वान किया कि राजद जिसे अपना प्रत्याशी बनाती है, उसे एकजुट होकर जिताने का काम करें, तभी नया बिहार बनेगा। अनुज कुमार सिंह को औरंगाबाद से एमएलसी की जीत का माला पहनाया। एमएलसी सुनील सिंह ने कहा, राजद सभी जाति, धर्म व गरीबों की पार्टी है। नीतीश के राज में किसानों को अनाज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सही दाम पर खाद नहीं मिलती है। गरीबों का हक नहीं मिलता है। विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह ने कहा, जनता के सहयोग से तेजस्वी यादव अगले सीएम होंगे। आज भी वे जनता के सीएम हैं। राजद के कार्यकर्ता एकजुट होते हैं तो क्या होता है यह पिछले विधानसभा का चुनाव उदाहरण है। सभा को विधायक भीम यादव, ऋषि कुमार, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान व उपेंद्र बर्मा ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता व संचालन पूर्व विधायक सुरेश मेहता ने किया।

पीलीभीत सांसद वरूण गांधी बोले- अब सरकार के आगे गिड़गिड़ाउंगा नहीं, किसानों के लिए कोर्ट जाऊंगा

बरेली। सांसद वरुण गांधी ने शुक्रवार को बरेली के बहेड़ी और पीलीभीत में धान खरीद देखने मंडी समिति जा पहुंचे। वहां के हालात देख अफसरों से कहा कि भ्रष्टाचार करते हुए शर्म नहीं आती। इसके बाद बोले, अब मैं सरकार के आगे गिड़गिड़ाऊंगा नहीं, इसकी जगह खरीद में भ्रष्टाचार के साक्ष्य एकत्र कर किसानों के लिए कोर्ट जाऊंगा। वहां से दोषी अधिकारियों पर एफआइआर कराऊंगा। पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी शुक्रवार दोपहर बहेड़ी मंडी समिति में किसानों के धान तुलाई के निरीक्षण को पहुंचे। वहां किसानों ने शिकायत की कि आपके आने की सूचना पर आज ही तोल शुरू की गयी है तो, अफसरों को डांटते हुए बोले कि किसान बाढ़ से पहले ही परेशान हैं, फिर भी शोषण कर रहे हो। उन्होंने अपने प्रतिनिधि को 24 घंटे मंडी पर मौजूद रहकर धान तुलाई

कराने के निर्देश दिए।

वरुण गांधी ने मंडी समिति परिसर पीलीभीत में विपणन विभाग के क्रय केंद्र (प्रथम) का निरीक्षण कर डिप्टी आरएमओ ज्ञान चंद्र वर्मा को तलब किया। उनसे कहा-किसान धान में आग लगा रहे हैं। यह शर्म का विषय है। क्यों किसानों की बद्दुआ ले रहे हो। धान खरीद में न तो पारदर्शिता है और न ही जवाबदेही। केंद्रों पर किसानों का धान काला, पीला, गीला बताकर रिजेक्ट कर दिया जाता है। बाद में बिचौलिए उस धान को सस्ते दामों पर खरीद लेते हैं।

दो दिन बाद यही क्रय केंद्र पर पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों उत्पीडऩ किसी सूरत में नहीं होने देंगे। प्रदेश में अब तक 18 स्थानों पर किसान अपने धान में आग लगा चुके हैं। इसके लिए खुद को भी जिम्मेदार बताते हुए कहा कि चुनाव में उन्होंने किसानों की समस्या सुलझाने को वोट मांगे थे। अब सरकार चलाने वाले लोगों की इसकी जिम्मेदारी है। वरुण ने कहा कि कागजों में कांटे चलाए जा रहे, किसान परेशान घूम रहे हैं।

किसान आंदोलन पर वार्ता फिर शुरू हो- किसान संगठनों के आंदोलन के बाबत पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि बीच का रास्ता निकाला जाए। संवाद की प्रक्रिया जो टूट गई है, उसे फिर से जोड़ा जाए। किसान अपने हैं, उनके प्रति हमदर्दी के साथ वार्ता होनी चाहिए। समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

मुकेश सहनी बोले- लालू यादव मेरे लिए समानित, बुलाएंगे तो जरूर जाऊंगा; तेजस्वी और नीतीश के लिए कही ये बात

पटना। बिहार सरकार के पशुपालन मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी अपने बयानों से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। बिहार की सरकार में अपनी भूमिका निभाने के साथ ही वे इन दिनों चुनावी सियासत के दो अलग-अलग मोर्चों पर सक्रिय नजर आ रहे हैं। बिहार में वे भाजपा और जदयू के मजबूत सहयोगी के तौर पर तारापुर और कुशेश्वरस्थान में एनडीए प्रत्याशी के लिए वोट मांग रहे हैं तो उत्तर प्रदेश में बीजेपी को सरकार बनाने से रोकने की चुनौती भी दे रहे हैं। इस बीच उन्होंने कहा है कि लालू यादव उनके लिए सम्मानित हैं और उनके बुलाने पर मिलने के लिए जरूर जाएंगे।

मुकेश सहनी ने कहा है कि जनता ने चाहा तो एक बिहार निषाद का बेटा बिहार का मुख्यमंत्री भी बनेगा। उन्होंने कहा कि राजद की ओर से उन्हें हमेशा आफर मिलता रहा है, लेकिन वे डिप्टी सीएम के पद के लिए पाला नहीं बदलेंगे। उनका ध्यान डिप्टी सीएम के पद पद नहीं, बिहार की जनता पर है। उन्होंने कहा कि लालू से बातचीत होती रहती है, हालांकि इधर कुछ दिनों से उनके बीच बात नहीं हुई है। लेकिन अगर उनका फोन आता है तो बात जरूर करेंगे। वे फोन करते हैं तो मेरे लिए आशीर्वाद ही होगा।

बिहार में मजबूती से चलेगी एनडीए की सरकार- सहनी ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार मजबूती से चलती रहेगी। 16 साल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सरकार चल रही है। 16 साल से उनको रोकने का हर प्रयास विफल हुआ है। आगे भी यही सरकार चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पर आस्था जताते हुए वे पांच साल तक सरकार में बने रहेंगे। इस बीच पाला बदलने की कोई संभावना नहीं है। किसी भी आफर पर वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ छोड़कर जाने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा की दो सीटों के लिए उप चुनाव में एनडीए जीतने जा रहा है।

सहनी ने कहा कि सपना देखना अच्छी बात है। तेजस्वी यादव दिन में भी सपना देखते रहते हैं। उन्हें बिहार में फिलहाल सरकार बनाने का ख्याल छोड़कर पांच साल इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव गठबंधन के सहयोगी का सम्मान करना नहीं जानते। उन्हें अपने बड़े भाई तक की कद्र नहीं है। उनको अभी इस लायक बनने के लिए इंतजार करना होगा। वे सरकार बनाने का ख्याली पुलाव पका रहे हैं। मेरे और जीतन राम मांझी के भरोसे सरकार बनाने का उनका सपना पूरा नहीं होगा। अब तो उन्होंने 19 सीटों वाली कांग्रेस को भी भगा दिया है।

आरा में टहलने निकली चार महिलाओं के लिए काल बनकर आई स्कार्पियो, टक्कर के बाद 20 फीट दूर मिले शव

आरा। भोजपुर (आरा) जिले के पीरो में शुक्रवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। पीरो थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवचंदा पुल के समीप बिहियां - बिहटा स्टेट हाइवे पर अनियंत्रित स्कार्पियो ने चार महिलाओं को रौंद दिया। हादसा इतना वीभत्स हुआ है कि महिलाओं के शव वाहन की टक्कर से उड़कर दूर खेत में जा गिरे थे। मरने वाली सभी महिलाओं की पहचान हो गई है। हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर भाग निकला। घटनास्थल पर सैकड़ों की भीड़ जुट गई थी। लोगों ने करीब पांच घंटे तक सड़क को जाम कर यातायात बाधित रखा। अधिकारियों के

समझाने के बाद अब यातायात सामान्य कर दिया है।

सड़क जाम कर हंगामा कर रहे थे लोग

दुर्घटना से गुस्साए ग्रामीण सड़क पर उतर गए और बिहियां - बिहटा हाइवे को जाम कर दिया था। यह हादसा सुबह पांच बजे के आसपास हुआ। एसडीएम और डीएससी ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। थानेदार नंदकिशोर सिंह ने बताया कि दोपहर 11 बजे सड़क जाम समाप्त करा दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परिवार को 20 हजार रुपये परिवारिक लाभ के तहत प्रखंड कार्यालय की ओर से दिए जाएंगे। तीन हजार रुपए कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत नगर परिषद की ओर से दिए गए हैं।

सुबह पहर टहलने निकली थीं महिलाएं, तभी हुआ हादसा- बताया जाता है कि ओझवलिया सहित अन्य गांवों के लोग मार्निंग वाक के लिए प्रतिदिन देवचंदा पुल की तरफ जाते हैं। इनमें महिलाओं की तादाद काफी रहती है। शुक्रवार की अहले सुबह उक्त चारों महिलाएं भी टहलने निकली थीं।

इसी दौरान पीरो की ओर से जा रही स्कार्पियो ने चारों महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही चारों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में पीरो के ओझवलिया निवासी अशोक कुमार सिंह की 51 वर्षीय पत्नी सरस्वती देवी, शिक्षक हरिप्रसाद सिंह की 62 वर्षीय पत्नी उर्मिला देवी, डीलर वकील सिंह की 52 वर्षीय पत्नी मोतीझारो देवी तथा बरौली निवासी राम सुंदर सिंह की 66 वर्षीय पत्नी मालती देवी शामिल हैं।

सड़क जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस

इधर, दुर्घटना के बाद आसपास के गांवों के ग्रामीण जुट और हो-हंगामा करना शुरू दिया। बिहियां - बिहटा को जाम कर दिया, जिससे वाहनों का परिचालन अवरुद्ध हो गया। इधर, सूचना मिलने पर पीरो थाना पुलिस भी वहां पहुंच गई। पीरो सहित आसपास के थानों की पुलिस कैंप कर रही है।

ईडी ने चीनी मिल घोटाले में कसा शिकंजा, पूर्व एमएलसी इकबाल की 74 करोड़ की और संपत्ति जब्त

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बसपा शासनकाल में हुए करीब 1100 करोड़ रुपये के चीनी मिल घोटाले में अहम भागीदारी निभाने वाले पूर्व एमएलसी मु. इकबाल की देहरादून स्थित 74 करोड़ रुपये की जमीन भी जब्त कर ली है। मु. इकबाल व उसके स्वजन की बोगस कंपनियों के जरिए निवेश के अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं। इससे पूर्व ईडी मार्च माह में सहारनपुर निवासी मु. इकबाल की 1097 करोड़ रुपये से अधिक की संपित्तयां जब्त की थीं, जिनमें मु. इकबाल व उनके कुनबे के नाम ली गईं सात चीनी मिलें शामिल थीं।

प्रवर्तन निदेशालय, लखनऊ के संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह के अनुसार पूर्व एमएलसी मु. इकबाल

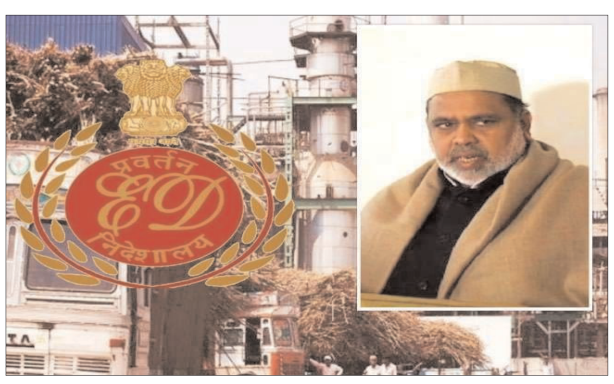

के विरुद्ध वर्ष 2010-2011 में प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग के तहत केस दर्ज अपनी जांच शुरू की थी। सीरियस फ्राड इंवेस्टीगेशन आर्गनाइजेशन ने यह जांच ईडी को सौंपी थी। ईडी की जांच में सामने आया कि पूर्व एमएलसी ने नम्रता मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड व गिरियाशो कंपनी प्राइवेट लिमिटेड नाम की बोगस कंपनियां अपने व स्वजन के नामों पर खोली थीं। मु. इकबाल इन बोगस कंपनियों के जरिए चीनी मिलों की खरीद में शामिल हुए थे। वर्ष 2010-11 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की सात चीनी मिलों का अधिग्रहण किया था, जिन्हें ईडी अटैच कर चुकी है। ईडी ने पूर्व में सहारनपुर व दिल्ली स्थित मु. इकबाल के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। जांच में यह भी सामने आया कि मु. इकबाल व उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में बड़ी रकम जमा की गई थीं। इस रकम को वर्ष 2014-15 के दौरान ग्लोकल इंडिया इंडस्ट्रीज के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया था। जिसके बाद ग्लोकल इंडिया इंडस्ट्रीज के बैंक खाते में जमा धन का उपयोग बीएसएस एसोसिएट्स के शेयर खरीदने में किया गया था। ईडी आगे की छानबीन कर रही है।

उल्लेखनीय है कि चीनी मिल घोटाले में सीबीआइ लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने 25 अप्रैल 2019 को केस दर्ज किया था। जिसके बाद ईडी ने भी इस मामले की जांच शुरू की थी। चीनी निगम की 21 चीनी मिलों को वर्ष 2010-11 में बेचा गया था।

इस दौरान नम्रता मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड ने देवरिया, बरेली, कुशीनगर, बाराबंकी व हरदोई इकाई की मिलें खरीदने के लिए 11 अक्टूबर 2010 को एक्प्रेशन आफ इंटरेस्ट कम रिक्वेस्ट फार क्वालीफिकेशन (ईओआइ कम आरएफक्यू) प्रस्तुत किये थे। यही प्रकिया गिरियाशो कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने भी अपनाई थी। नियमों को दरकिनार कर दोनों कंपनियों को नीलामी प्रक्रिया के अगले चरण के लिए योग्य घोषित कर दिया गया था।

कांग्रेस के दिग्गज हरेन्द्र मलिक पूर्व विधायक पंकज के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कुनबा बढ़ाओ अभियान में लगी समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में कांग्रेस के नेताओं के साथ अन्य पार्टी के नेता भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य हरेन्द्र मलिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़े नेता है। वह आज पुत्र शामली से पूर्व विधायक पंकज मलिक के साथ अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इनके साथ ही श्रावस्ती से बहुजन समाज पार्टी से विधायक रहे रामसागर अकेला को भी अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इन सभी को पार्टी दफ्तर पर सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि सपा में शामिल सभी लोगों का स्वागत है। किसान उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से परेशान है। किसान अपनी मेहनत की फसल जलाने को मजबूर है। मुजफ्फरनगर के काजीखेड़ा के रहने वाले पूर्व राज्यसभा सदस्य हरेन्द्र मलिक ने 1976-77 में डीएवी कॉलेज से छात्र राजनीति शुरू की। इसके बाद 1978 में संजय गांधी और इंदिरा गांधी के साथ आंदोलन में शामिल होकर जेल गए। वह 1982 में बीडीसी बने और 1985 में खतौली विधानसभा सीट से चुनाव जीते। इसके बाद तीन बार तक बघरा विधानसभा सीट से विधायक रहे । वह 1996 में विधानसभा और 2002 में समाजवादी पार्टी से लोकसभा का चुनाव हारे। 2002 में हरेन्द्र मलिक इनेलो में शामिल होकर उसके कोटे से राज्यसभा पहुंच गए। 2004 में कांग्रेस में शामिल होकर बेटे पंकज मलिक को बघरा से उप चुनाव लड़वाया। 2012 के विधानसभा चुनाव में पंकज मलिक शामली विधानसभा सीट से कांग्रेस से विधायक रहे।

स्थानीय उत्पाद खरीद कर लोकल को वोकल बनाने में सभी सहयोग करें: सीएम

ग्राम धमना में मुख्यमंत्री शिवराज ने नोनेराम के घर पर किया भोजन और चाक पर बनाया दीया

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के लघु व्यवसाइयों विशेषकर स्व-सहायता समूहों को 2500 करोड़ की राशि बैंकों के माध्यम से दिलवाई जाएगी। बैंक लिंकेज से इनका व्यवसाय विकसित होगा। स्व-सहायता समूहों के उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था की जाएगी। उन्हें बाजारों में बैठने का स्थान दिया जाएगा। इसके लिए सभी कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुक्रवार को छतरपुर जिले के ग्राम धमना में स्थानीय ग्रामवासियों से बातचीत की और संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकल को वोकल बनाने का आह्वान किया है। इससे छोटे-छोटे कारीगरों को भी आर्थिक सहारा मिल सकेगा। इन कारीगरों की दीवाली अच्छी मन जाए, इसके प्रयास करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नोनेराम प्रजापति के साथ भोजन किया और चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और गमला निर्मित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि दीवाली पर स्थानीय उत्पात अर्थात देसी सामान को बेचने के लिए हाट- बाजार में स्थान उपलब्ध कराएं। उस पर कोई राशि न लगे। दीवाली तक यह इंतेजाम करें कि ये लोग अपना सामान बेच पाएं। किसी प्रकार का टैक्स इस पर न लगे। मैं इनके द्वारा बनाए गए सामान का प्रमोशन करने आया हूं।

शिल्पकारों से मिले मुख्यमंत्री: मुख्यमंत्री शुक्रवार को छतरपुर जिले में दीप पर्व के पहले दीपक, लक्ष्मी जी की मूर्ति और अन्य मिट्टी की कलाकृतियां बनाने वाले शिल्पकारों से मिले। उन्होंने शिल्पकारों से चर्चाकर उनकी हौसला अफजाई की। प्रजापति समाज के अनेक व्यक्तियों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने उनकी कार्य की समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री का माटी शिल्प कला से जुड़े कलाकारों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन से प्रजापति समाज सहित स्थानीय निवासी काफी प्रसन्न थे। मुख्यमंत्री ने रोशनी स्व-सहायता समूह की सदस्य बहनों से भी मुलाकात और बातचीत की। इस अवसर पर रोशनी स्व सहायता समूह के कार्यों का विवरण मुख्यमंत्री श्री चौहान को दिया गया।

नोनेराम के परिजनों ने प्रेमभाव से परौसा भोजन: मुख्यमंत्री ने छतरपुर जिले के राजनगर विकासखंड के ग्राम धमना में नोनेराम प्रजापति के घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री का परिवारजन ने स्वागत किया। श्री चौहान ने परिवार के सदस्यों के साथ दोना-पत्तल में दोपहर का भोजन किया। परिवार के सदस्यों ने आत्मीय प्रेमभाव से भोजन परोसा। सीएम ने उत्साह से भोजन कर देशी भोजन की तारीफ की। नोनेराम के परिवारजन ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर प्रसन्नता जाहिर की। भोजन के बाद मुख्यमंत्री ने नोनेराम के परिवार के बुजुर्ग सदस्य और पत्नी एवं बच्चों का हालचाल जाना।

माटी कला को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा

मुख्यमंत्री ने नोनेराम प्रजापति के साथ चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और गमला निर्मित किया। उन्होंने कहा कि मिट्टी निर्मित उत्पादों के लिए मिट्टी की सुलभ उपलब्धता की व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त माटी कला को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने जनता से मिट्टी के कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों को खरीदने की अपील की, जिससे इनके उत्पाद की मांग बढ़ सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लोगों से कोरोना के टीके लगवाने की अपील भी की ।

महिलाओं ने भेंट किया उपहार

मुख्यमंत्री को स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने दीपावली के उपहार के रूप में हस्त-निर्मित मिट्टी के दीये और अन्य उत्पादों का गिफ्ट हैम्पर सौजन्य भेंट किया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की आमदनी के बारे में जानकारी ली और समूह की महिलाओं के साथ फोटो खिंचवाई। उन्होंने उपस्थितजन को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

ग्रामीणजन को किया संबोधित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम धमना में ग्रामीणजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं के प्रयास से स्थानीय उत्पादों को निश्चित ही बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे स्थानीय कारीगरों के द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम धमना आए हैं।

संबल योजना भरोसा दिलाती है कि हर मुश्किल में सरकार खड़ी है आपके साथ: शिवराज

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि संबल योजना अत्यंत मानवीय योजना है। हर परिस्थिति में परिवारों की जिंदगी आसान रहे और परिवार की आजीविका की गाड़ी चलती रहे इसलिए संबल योजना में सहायता दी जाती है। यह योजना इस बात का भरोसा दिलाती है कि हर मुश्किल में सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री चौहान द्वारा संबल योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि के 7 हजार 700 प्रकरणों में 170 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से संबल हितग्राहियो के खातों में अंतरण की गई।

मुख्यमंत्री ने संबल योजना के हितग्राहियों के खाते में अंतरित किए 170 करोड़

इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भगवान न करें यदि दुर्घटना में किसी का निधन हो जाए तो राज्य सरकार परिवार को 4 लाख रुपए की सहायता राशि देगी। सामान्य मृत्यु पर 2 लाख की राशि देने की व्यवस्था है। योजना में अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए की सहायता देने की व्यवस्था है। आज सामान्य मृत्यु पर 6 हजार 900 हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता की दो-दो लाख की राशि डाली गई है। दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से मृत्यु के 800 प्रकरणों में 4 लाख रुपए प्रति व्यक्ति के मान से राशि जारी की गई है। इस राशि से भाई-बहनों को अपने परिवार को व्यवस्थित रूप से चलाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो चले गए हैं, उन्हें वापस नहीं ला सकते, लेकिन उनके चले जाने के बाद जो बेसहारा हो गए हैं, उन्हें राज्य सरकार सहारा दे सकती है। इसी भाव से यह सहायता जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे घरों में कई परिवार रहते हैं। एक छोटे से घर में अधिक लोग समाते नहीं है, रहना कठिन होता है। इसलिए जिनके पास रहने की जगह नहीं है, ऐसे हर परिवार के लिए स्वतंत्र प्लॉट की व्यवस्था प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में की जाएगी। मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना के निर्देश जारी हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंल योजना में अब तक एक लाख 53 हजार 935 प्रकरणों में 1306 करोड़ 86 लाख की राशि जारी की गई है।

जनजातीय गौरव संवाद करेंगे आज सीएम

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को जनजातीय संग्रहालय भोपाल में सुबह 10 बजे जनजातीय गौरव संवाद करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति, कलाकार और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए नृत्य संगीत के समायोजन की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ जनजातीय सामाजिक नेतृत्व, सामाजिक संघर्ष, उपलब्धि और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा भी होगी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी एमपी और सोशल मीडिया पर होगा।

सात करोड़ टीकाकरण पर मुख्यमंत्री चौहान का संबोधन आज : प्रदेश में कोरोना टीकाकरण में 7 करोड़ वैक्सीन की डोज लगने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को दोपहर 12 बजे एनएचएम कार्यालय भोपाल से संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मप्र में कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा 7 करोड़ के पार पहुंच गया है।

यूरिया की किल्लत पर श्रेय लेने की राजनीति कर रहे भाजपाई : पटवारी

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में खाद का संकट गहराता जा रहा है और किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रही है। भाजपा सिर्फ यूरिया की किल्लत पर श्रेय लेने की राजनीति कर रही है।

शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गुरुवार को चुनाव प्रचार से निपटने के बाद मीटिंग बुलाई थी, लेकिन इससे समस्या हल होने वाली नहीं है। इसके बजाय राज्य सरकार को किसान हित में गंभीरता दिखानी चाहिए और किसानों के लिए खाद की व्यवस्था करनी चाहिए। जीतू पटवारी ने कहा कि उन्होंने किसानों की आय को दोगुना कर दूंगा जैसे जुमले बहुत सुने, लेकिन अब उनकी समस्या भी हल होनी चाहिए। जीतू ने इस दौरान प्रदेश सरकार पर यूरिया खाद को लेकर कई गंभीर आरोप लगाएं।

साइकिल यात्रा ने हजारों लोगों से मिलने का सुअवसर दिया है : गौतम

विधानसभा अध्यक्ष ने साइकिल यात्रा के छठवें दिन आठ गांवों में किया जनसंपर्क

भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम की आठ दिनी जनसंपर्क साइकिल यात्रा जारी है। विधानसभा अध्यक्ष ने छठवें दिन शुक्रवार को ग्राम डिहिया से यात्रा आरंभ की। श्री गौतम ने यात्रा के दौरान शिवराजपुर आंगनबाड़ी केंद्र में कन्या पूजन कर बेटी है तो कल है का संदेश दिया। उन्होंने बालिकाओं को पोषण आहार वितरित किया।

श्री गौतम ने साइकिल यात्रियों के साथ ग्राम शिवराजपुर, तेदुआ, परसिया, भलुआ, नईगढ़ी, देवगना तथा पुरवा में जनसंपर्क किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न गांवों में जनता से संवाद करते हुए कहा कि साइकिल यात्रा ने हजारों लोगों से मिलने का सुअवसर दिया है। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आम जनता की कठिनाईयों के संबंध में जानकारियां मिली हैं। साइकिल यात्रा के जन समर्थन की ऊर्जा से देवतालाब क्षेत्र में विकास के बड़े कार्यों का मार्ग प्रशस्त होगा। साइकिल यात्रा का समापन भगवान भोलेनाथ की नगरी देवतालाब में 31 अक्टूबर को होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस अवसर पर विशाल जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के समक्ष सोलर प्लांट लगाने तथा गौ अभ्यारण्य की स्थापना की मांग रखी जाएगी। साइकिल यात्रा के समापन की जनसभा ऐतिहासिक होगी। साइकिल यात्रा के अपार जन समर्थन ने मुझे क्षेत्र का विकास करने नई ऊर्जा दी है। विधानसभा अध्यक्ष की साइकिल यात्रा ग्राम डिहिया से शुरू हुई। ग्राम शिवराजपुर पहुंचने पर यात्रियों का ढोल-ढमाके से स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने जनता से क्षेत्र के विकास के संबंध में चर्चा की। इसके बाद साइकिल यात्रा ग्राम तेदुआ पहुंची। तेदुआ में श्री गौतम ने जनता को संबोधित किया। साइकिल यात्रा का ग्राम परासी में पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। जनसंवाद के बाद आम के बगीचे में साइकिल यात्रियों तथा आमजनों के साथ श्री गौतम ने दोपहर का भोजन ग्रहण किया।

चार आईएएस स्थानांतरित

भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को दो अलग - अलग आदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के चार अफसरों के तबादले किए हैं। एक अन्य आदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अभय कुमार वर्मा विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह आयुक्त लोक शिक्षण मप्र भोपाल को अपने वर्तमान दायित्वों के साथ पदेन अपर सचिव स्कूल शिक्षा विभाग भी घोषित किया गया है।

एक अन्य आईएएस अभय कुमार वर्मा पदेन अपर सचिव घोषित

आदेश के तहत शिवपाल अपर आयुक्त राजस्व सागर संभाग सागर को उप सचिव मप्र शासन, श्रीमती शीतला पटले उप सचिव मप्र शासन को अवकाश से लौटने पर अपर आयुक्त राजस्व सागर संभाग सागर पदस्थ किया गया है। इसी तरह एक अन्य आदेश में जगदीश चन्द्र जटिया उप सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग को उप सचिव श्रम विभाग और छोटे सिंह उप सचिव श्रम विभाग को अपर आयुक्त राजस्व रीवा संभाग रीवा पदस्थ किया गया है।

आदित्य कुमार जैन डिप्टी कलेक्टर सीहोर किए गए भोपाल पदस्थ

18 राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों किए गए तबादले

भोपाल। शुक्रवार को राज्य प्रशासनिक सेवा के 18 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। तबादला आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दिए हैं। जारी किए गए आदेश में डिप्टी कलेक्टर सीहोर आदित्य कुमार जैन को डिप्टी कलेक्टर भोपाल और अपर आयुक्त नगर पालिक निगम इंदौर रजनीश कसेरा उपायुक्त भू-अभिलेख इंदौर पदस्थ किया है। सूची इस प्रकार है-

अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थपना
रजनीश कसेरा	अपर आयुक्त नगर पालिक निगम इंदौर	उपायुक्त भू-अभिलेख इंदौर
अनिल कुमार जैन	संयुक्त कलेक्टर रायसेन	संयुक्त कलेक्टर होशंगाबाद
महेश कुमार बड़ोले	डिप्टी कलेक्टर भिंड	डिप्टी कलेक्टर हरदा
नरेंद्र नाथ पाण्डेय	भू-अर्जन अधिकारी इंदौर विकास प्राधिकरण इंदौर	संयुक्त कलेक्टर शाजापुर
बलवीर रमन	डिप्टी कलेक्टर कटनी	डिप्टी कलेक्टर डिंडोरी
मूलचंद वर्मा	अपर कलेक्टर सिवनी	उपायुक्त (राजस्व) ग्वालियर संभाग
बृजेंद्र कुमार पाण्डेय	उपायुक्त (राजस्व) शहडोल संभाग	अपर कलेक्टर सीधी
मिनिषा पांडे	उपायुक्त (राजस्व) रीवा संभाग	उपायुक्त (राजस्व) शहडोल संभाग
मिलिंद कुमार नागदेवे	उप सचिव सामान्य प्रशासन (पूल)	उपायुक्त (राजस्व) रीवा संभाग
अतेंद्र सिंह गुर्जर	उपायुक्त (राजस्व) ग्वालियर संभाग	अपर आयुक्त नपानि ग्वालियर
राजेश कुमार यादव	अवर सचिव राज्य निर्वाचन आयोग	डिप्टी कलेक्टर बैतूल
रीता डहेरिया	डिप्टी कलेक्टर हरदा	डिप्टी कलेक्टर बैतूल
रोशनी पाटीदार	डिप्टी कलेक्टर मंदसौर	डिप्टी कलेक्टर धार
देवेन्द्र प्रताप सिंह	डिप्टी कलेक्टर अशोकनगर	डिप्टी कलेक्टर सागर
रवीन्द्र परमार	डिप्टी कलेक्टर बालाघाट	डिप्टी कलेक्टर मंदसौर
महेश मंडलोई	डिप्टी कलेक्टर डिंडोरी	डिप्टी कलेक्टर कटनी
आशीष कुमार पाण्डे	डिप्टी कलेक्टर जबलपुर	पूर्व में कटनी किया तबादला निरस्त

कल राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाएंगे सीएम

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में रविवार, 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुबह 10 बजे शौर्य स्मारक पर सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाएंगे।

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री चौहान सुबह 10 बजे शौर्य स्मारक पहुंचकर सबसे पहले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे एवं भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद मोटर साइकिल रैली का स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ओपन एयर थिएटर में उपस्थित सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाएंगे। पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्र-गान के वादन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। राष्ट्रीय एकता दिवस पर शाम 5 बजे थाना तलैया से मोती मस्जिद चौराहे तक मोटर साइकिल रैली निकाली जाएगी। रैली के साथ पुलिस बल द्वारा मार्च पास्ट भी किया जाएगा।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, लेखा कुमार को विदाई

भोपाल (एजेंसी)। रविवार, 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने जा रही प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, श्रीमती लेखा कुमार को शुक्रवार को आयकर भवन में आयोजित समारोह में विदाई दी गई।

श्रीमती लेखा कुमार 1987 बैच की भारतीय राजस्व सेवा की अधिकारी थी। वे अपने बैच की टॉपर थी। उन्होंने कुल 34 वर्ष की सेवा पूरी की है। विदाई समारोह में मैडम लेखा कुमार ने कहा कि उनके पूरे सेवाकाल में उनकी मप्र एवं छग में रही पोस्टिंग का समय सर्वश्रेष्ठ रहा। उन्होंने भोपाल शहर की प्राकृतिक सुंदरता की भी खूब प्रशंसा की। इसी कार्यक्रम में विनोद कुमार गोयल मुख्य आयकर आयुक्त, को भी विदाई दी गई। श्री गोयल 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी थे। इस विदाई समारोह में आयकर विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेवानिवृत्त होने वाले दोनों अधिकारियों को शॉल, श्रीफल के अलावा स्मृति चिन्ह के रूप में राजा भोज की प्रतिकृति भेंट की गई। विदाई समारोह का संचालन नीरज अग्रवाल, आयकर अधिकारी (जनसंपर्क) द्वारा किया गया।

राजधानी के पर्यावास भवन में हुई हाउसिंग बोर्ड की समीक्षा बैठक

हाउसिंग आयुक्त भरत यादव ने लापरवाही के कारण उपायुक्त ग्वालियर हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का मय स्टाफ रोका वेतन

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर बोर्ड के आयुक्त भरत यादव ने ग्वालियर हाऊसिंग बोर्ड सर्किल के उपायुक्त का मय स्टाफ सहित वेतन रोकने के आदेश दिए। श्री यादव शुक्रवार को पर्यावास भवन में बोर्ड के अधिकारियों के साथ वर्चुअल टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। श्री यादव ने संपत्ति के संबंध में नोटिस डिस्ट्रीब्यूशन के लिए सभी अधिकारियों को 10 नवंबर तक का टारगेट पूरा करने के लिए कहा है।

हाउसिंग बोर्ड आयुक्त भरत यादव ने शुक्रवार को पर्यावास भवन में बोर्ड के टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा की।

आयुक्त श्री यादव ने ग्वालियर बोर्ड के अधिकारियों को संपत्ति से संबंधित मात्र 29 नोटिस तामील करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संपत्ति अधिकारी को भी इस संबंध में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। श्री यादव ने इंदौर के अधिकारी श्री यशवंत दोहरे से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। श्री दोहरे आपरेशन के बाद घर से ही वर्चुअली बैठक में शामिल हुए थे। श्री यादव ने खंडवा में और अधिक तेजी से काम करने के लिए कहा। जबलपुर में जबलपुर सर्किल 2 को छोड़कर शेष सभी जगह संपत्ति संबंधी नोटिस की तामीली में प्रोग्रेस की है। रीवा इस कार्य में प्रदेश में दूसरे नंबर पर आया है।

ऑन लाइन ट्रांजेक्शन बढ़ाएं : हाउसिंग बोर्ड की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बिदिशा मुखर्जी ने सभी अधिकारियों को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे जहां समय की बचत होती है, वहीं आम आदमी को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाना पड़ते। अधिकारियों को मार्केटिंग पर केंद्रित प्रजेंटेशन के माध्यम से व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा की स्थिति में कार्य-कुशलता बढ़ाने एवं ग्राहक को संतुष्ट करने के तरीके बताए गए।

अगर तुम न होते होते में नजर आएंगी सिमरन कौर

टीवी सीरियल अघोरी में मुख्य भूमिका में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस सिमरन कौर नए शो अगर तुम न होते के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शो में वह एक बेहद महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। शो में उनके किरदार का नाम नियति है। सिमरन का कहना है कि वह एक रोमांटिक शो का हिस्सा बनकर खुश हैं क्योंकि उन्हें रोमांटिक भूमिकाएं पसंद हैं और इसका एक कारण बॉलीवुड फिल्मों में उनकी रुचि है। इसके अलावा, उनके माता-पिता ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे में काजोल से इम्प्रेस होकर मेरा नाम सिमरन रखा था। सिमरन ने बताया कि मैं हमेशा से बॉलीवुड की दीवानी रही हूं। मैंने हमेशा से एंटरटेंमेंट इंड्रस्ट्रीज से एक कनेक्शन महसूस किया है, और मैं अब भी करती हूं, यही वजह है कि मुझे बॉलीवुड रोमांस से जुड़ी चीजें काफी पसंद आती है। सिमरन बॉलीवुड के लिए अपने प्यार और बातचीत के दौरान फिल्म संवादों का उपयोग करने की शौकीन हैं। सिमरन आगे कहती हैं कि यह तब स्पष्ट होता है जब कोई मुझे करीब से जानता है, क्योंकि मैं वह व्यक्ति हूं जो हमेशा फिल्मों से संवाद बोलती रहती हूं। कभी-कभी मेरे दोस्त भी मेरे द्वारा बोली जाने वाली पंक्तियों के बारे में अनजान होते हैं। मेरा मानना है कि यह मेरी प्रेरणा और फिल्मों और थिएटरों के जुनून के कारण है कि मैं यहां तक पहुंच पाई हूं। मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि मुझे एक रोमांटिक शो का हिस्सा बनने का यह खूबसूरत मौका मिला। अगर तुम ना होते जल्द ही जी टीवी पर प्रसारित होगा।

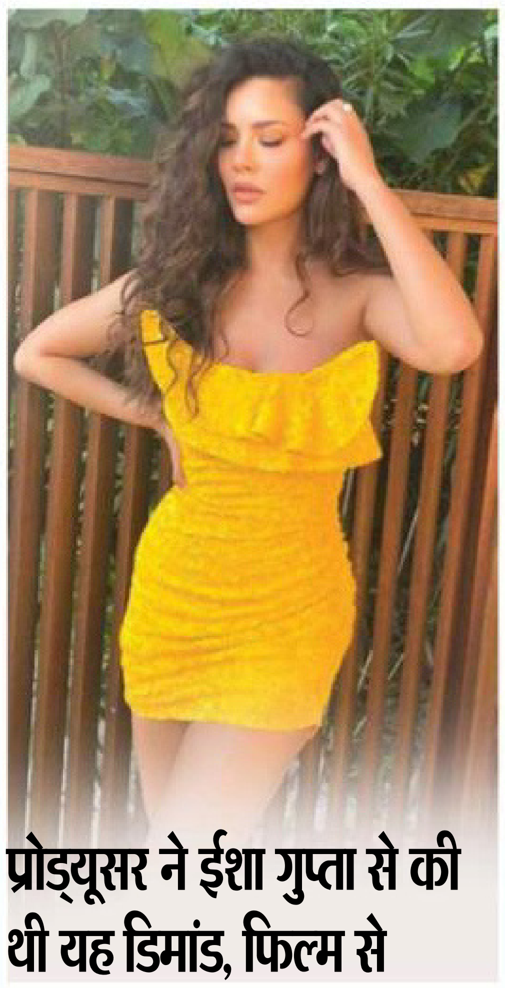

प्रोड्यूसर ने ईशा गुप्ता से की थी यह डिमांड, फिल्म से निकालने की दी थी धमकी

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रही हैं। उन्होंने 'जन्नत 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं ईशा गुप्ता, अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ईशा गुप्ता ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में ईशा गुप्ता ने इंडस्ट्री के कई डार्क सीक्रेट्स का खुलासा किया है। ईशाने बताया कि एक प्रोड्यूसर उन्हें फिल्म से निकालना चाहते थे क्योंकि उन्होंने उनके साथ सोने से मना कर दिया था। ईशा ने कहा, मैं उन दिनों मेकअप आर्टिस्ट के साथ अपना रूम शेयर कर सोया करती थी। मैंने बहाना बनाया था कि मैं डरी हुई हूं और यहां अकेले सो नहीं पाऊंगी। लेकिन मैं भूत नहीं बल्कि वहां एक इंसान से डरा करती थी। क्योंकि आपको नहीं पता नहीं होता है कि वे कब आपको निकाल दें। उन्होंने कहा, मैंने एक ऐसे ही इंसान का गंदा रूप देखा था। फिल्म की शूटिंग के बीच में ही प्रोड्यूसर ने आकर कहा कि उन्हें मेरे साथ काम नहीं करना है। मैंने चार से पांच दिन की शूटिंग भी कर ली थी। यह इसलिए हुआ क्योंकि मैंने उनके साथ सोने से मना कर दिया था। हालांकि निर्देशक इस दौरान ईशा के सपोर्ट में खड़े रहे। ईशा गुप्ता के यह भी खुलासा किया कि एक फिल्म की शूटिंग के दौरान बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक ने उन्हें गाली दी थी, इतना ही नहीं वह करीब-करीब फिल्म से बाहर ही हो गई थीं। इसकी वजह एक बार ईशा गुप्ता का सेट पर लेट पहुंचना था। बता दें कि 'जन्नत 2' के अलावा ईशा हमशक्ल, टोटल धमाल, राज 3डी और बादशाहो में नजर आईं। फिल्मों में कदम रखने से पहले ईशा गुप्ता एक सफल मॉडल रही हैं। वह 2007 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीत चुकी हैं।

ड्रग्स केस: आर्यन खान के सपोर्ट में फिर आगे आए रितिक रोशन

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान इन दिनों ड्रग्स केस में आर्थर रोड जेल में बंद हैं। शाहरुख खान अपने बेटे की जमानत के लिए बीते कई दिनों से कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने कई नामचीन वकीलों की फौज भी लगा रखी है। हालांकि आर्यन को जमानत नहीं मिल पा रही है। आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद से ही कई सेलेब्स उनके सपोर्ट में आगे आए हैं। रितिक रोशन ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर आर्यन का सपोर्ट किया था। अब एक बार फिर रितिक ने आर्यन खान की लगातार खारिज हो रही जमानत याचिका पर रिएक्ट किया है।

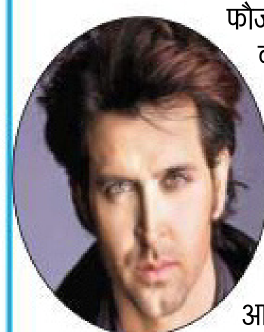

रितिक रोशन ने एक वीडियो क्लिप साझा की है, जिसमें पत्रकार फेय डिसूजा सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ बातचीत कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होने कैप्शन लिखा, अगर ये तथ्य सही हैं, तो यह वास्तव में दुखद है। बता दें कि आर्यन खान 7 अक्टूबर के बाद स जेल में बंद है। बता दें कि ड्रग्स केस में फंसे आर्यन खान की जमानत याचिका बीते दिनों एनडीपीएस कोर्ट से खारिज कर दी थी।

अली के साथ पहली बार शूटिंग करना सौभाग्य की बात: ऋचा चड्ढा

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा आगामी सीरीज कॉल माई एजेंट: बॉलीवुड में अपने प्रेमी अली फजल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। वह इसे सौभाग्य की बात कहती हैं क्योंकि उन्होंने पहली बार अभिनेता के साथ शूटिंग की है। शाद अली द्वारा निर्देशित, कॉल माई एजेंट: बॉलीवुड, एक फ्रांसीसी शो का भारतीय रूपांतरण है, जिसमें अहाना कुमरा, आयुष मेहरा, रजत कपूर के साथ-साथ कई बॉलीवुड हस्तियां जैसे- फराह खान, अली, ऋचा, लारा दत्ता, दीया मिर्जा, जैकी श्रॉफ शामिल हैं। यह सीरीज 29 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। ऋचा ने कहा, पहली बार अली के साथ शूटिंग करना वास्तव में एक सौभाग्य था। मुझे फ्रेंच शो पसंद है। कॉल माई एजेंट- बॉलीवुड फ्रेंच मल्टी-सीजन शो, डिक्स पौर सेंट (टेन पर सेंट) से प्रेरित है। यह शो ग्लिट्ज, ग्लैमर और ड्रामा की दुनिया में प्रफुल्लित करने वाली झलक पेश करता है। ऋचा ने कहा, निर्देशक विचारों के लिए इतने खुले थे, उन्होंने हमें सुधार करने और हास्य पंक्तियों के साथ आने की अनुमति दी।

नेहा शर्मा जब खुद का फोटो देख कर रह गई थीं दंग

नेहा शर्मा ने हाल ही में उस फोटो के बारे में बात की जो 2018 में वायरल हो गया था। नेहा ने सुबह उठकर मॉर्निंग सेल्फी ली और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी। किसी ने उस फोटो को मॉर्फ्ड कर दिया। बैकग्राउंड में 'सेक्स टॉय' रख दिया था। नेहा उस घटना को याद करते हुए कहती हैं कि उन्हें पता ही नहीं चली कि उनके फोटो के साथ छेड़छाड़ कर दी गई। वे दोपहर में 'इल्लीगल' वेबसीरिज की शूटिंग करने पहुंच गईं। वहां पर लोगों का उनके प्रति अजीब व्यवहार था। यह माजरा देख नेहा को कुछ समझ नहीं आया। बाद में उन्हें पता चला कि उनके फोटो को मॉर्फ्ड कर दिया गया है। बाद में नेहा ने ओरिजनल फोटो पोस्ट किया और सभी को बताया कि उनके फोटो को किसी ने मॉर्फ्ड कर दिया है। नेहा की 'आफत-ए-इश्क' नाम की फिल्म जल्दी ही आने वाली है। यह एक हंगेरियन फिल्म का हिंदी रीमेक है।

एरिका फर्नांडिस ने छोड़ा 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' सीजन 3

'**कुछ रंग प्यार के ऐसे भी**' के सीजन 3 में सोनाक्षी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस एरिका फर्नांडिस ने शो छोड़ दिया है। शो में एरिका एक्टर शहीर शेख के साथ नजर आती थीं। एरिका ने एक लंबा-चौडा पोस्ट लिखकर इस शो को छोड़ने की वजह भी बताई है। एरिका ने शो में कथानक और उनके कैरेक्टर 'सोनाक्षी' को जिस तरह से दिखाया जा रहा है उस पर निराशा व्यक्त की। अभिनेत्री का मानना है कि उन्हें मौजूदा सीज़न में कमजोर और कन्फ्यूज दिखाया गया है। उन्होंने ये भी लिखा कि उनके इस फैसले के पीछे और भी वजह हैं पर वह उसका खुलासा नहीं कर रही हैं। एरिका ने लिखा, शुरुआत में मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी जिन्होंने कुछ रंग प्यार के ऐसे भी को उसके शुरुआती समय से ही पसंद किया था। हम पर जो अपार प्यार बरसा वह दिल को छू लेने वाला था। विभिन्न कारणों से जब शो को पहली बार ऑफ एयर करना पड़ा, उसी कुछ रंग परिवार की शक्ति और प्यार ने हमें एक बार फिर से पर्दे पर वापस खींच लिया, लगभग एक महीने के ऑफ-एयर होने के बाद। उसी कुछ रंग परिवार की वजह से हम एक बार फिर इतने उत्साह के साथ वापस आने के लिए रोमांचित थे। उन्होंने लिखा, सोनाक्षी एक ऐसा किरदार था जो आपको और मुझे बहुत प्रिय था, एक ऐसा किरदार जो कई लोगों के लिए प्रेरणा था, एक ऐसा किरदार जो इतना मजबूत, स्मार्ट, संतुलित था। सोनाक्षी जिसे हमने एक बार सीजन 1 और 2 में देखा था, जिसकी हमें उम्मीद थी इस सीज़न में भी, लेकिन दुर्भाग्य से हमें उसके बिल्कुल विपरीत देखना पड़ा। मुझे आशा है कि आप पहले 2 सीज़न से सोनाक्षी को हमेशा याद रखेंगे और इस सीज़न में उसे कितना कमजोर और भ्रमित दिखाया गया है, और पहले 2 सीज़न से सब कुछ अलग रख दिया। उसके पास कम से कम एक नौकरी थी और ऑफिस जाना होता था, ना कि इस सोनाक्षी की तरह जहां उसे घर पर बैठना था, बस कुछ भी नहीं करना था। कभी-कभी जब आपको अपने स्वाभिमान और एक शो के बीच चयन करना होता है, तो आपको कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। (अन्य विभिन्न कारणों का उल्लेख नहीं कर रही हूं) और आप हमेशा दूसरों की जिम्मेदारियों को अपने कंधों पर नहीं ले सकते हैं, आपको देखना होगा अपने बाद और उसी के आधार पर चुनाव करें। एरिका ने लिखा, उन सभी के लिए जो इस सीज़न के बारे में दुखी और निराश थे, बस अपने आप से पूछें कि हम सभी इस शो को दोबारा देखने के लिए वापस क्यों आए, शायद वापस जाएं पहले सीज़न के कुछ एपिसोड देखें और हमें अच्छी तरह से याद रखें, हो सकता है कि वह आपके चेहरे पर मुस्कान लाए। हमने वर्षों पहले एक शानदार शो बनाया था, लेकिन यदि आप मास्टर को मास्टरपीस से हटा देते हैं तो आपके पास केवल पीसेज रह जाते हैं और दुर्जोय (राइटर) आपको इस सीज़न में बहुत याद किया जाता है। एरिका ने लिखा- कभी सोचा? जब कोई शो सफल होता है तो यह कहना बहुत आसान और सुविधाजनक होता है कि शो की सफलता किसी व्यक्ति विशेष के कारण नहीं बल्कि टीम वर्क और पूरी टीम के प्रयास के कारण होता है.. लेकिन जब शो नहीं चलता है तो किसी विशेष को दोष देना कितना आसान होता है, जब एक शो को बंद करना पड़ता है। आखिर में, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने इस यात्रा के माध्यम से मेरा समर्थन किया है और मेरे फैसले चाहे मेरी टीम हो या मेरे फैंस और कुछ रंग प्यार के ऐसे भी के फैंस, बहुत प्यार।

दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच मैच में निगाहें डिकॉक पर

एजेंसी ■ शारजाह

नस्लवाद के खिलाफ मुहिम में एक घुटने के बल बैठने के सांकेतिक समर्थन से इन्कार करने के कारण पिछले मैच से हटने वाले क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच टी20 विश्व कप के सुपर 12 मैच में शनिवार को यहां मैदान पर उतर सकते हैं। डिकॉक ने गुरुवार को बयान जारी करके टी20 विश्व कप के बाकी बचे मैचों के लिए खुद को उपलब्ध रखा था। उन्होंने कहा था कि अगर उनके घुटने के बल बैठने से दूसरों को शिक्षित करने में मदद मिलती है तो उन्हें ऐसा करने में दिक्कत नहीं है। डिकॉक ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से पहले ऐसा नहीं करने पर उन्हें नस्लवादी कहा गया जिससे उन्हें काफी पीड़ा पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच आठ विकेट से जीता था। डिकॉक की वापसी से दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को मजबूती मिलेगी तथा बाएं हाथ का यह बल्लेबाज स्वयं बड़ी पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद करने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने विश्व कप में अब तक 12 और दो रन बनाए हैं और वह फॉर्म में लौटने को बेताब होंगे। दक्षिण अफ्रीका के पास रीजा हेंड्रिक्स, रासी वान डर डुसेन, एडेन मार्कराम और विश्वसनीय डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और श्रीलंका भी कोई अपवाद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को हालांकि श्रीलंका के स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा से सतर्क रहना होगा। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। इस मैच में तेज गेंदबाज ड्वेन प्रिटोरियस ने तीन विकेट लिए थे। उसके पास डेथ ओवरों के दो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया हैं और अगले मैच में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। दक्षिण अफ्रीका के दोनों स्पिनरों केशव महाराज और तबरेज शम्सी को भी अहम भूमिका निभानी होगी। श्रीलंका को आस्ट्रेलिया के हाथों सात विकेट की हार को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। उसके लिए चरित असलंका की अच्छी फॉर्म सकारात्मक पहलू है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने वाले कुसाल परेरा को बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका और अविष्का फर्नांडो की लगातार विफलता टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय होगी। तेजतर्रार वानिंदु हसरंगा और भानुका राजपक्षे की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। श्रीलंका के तेज गेंदबाज चमिका करुणारत्ने, दुशमंत चमीरा और लाहिरु कुमारा आस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं चल पाए। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को रोकने के लिए उन्हें सही क्षेत्र में गेंदबाजी करनी होगी। मैच में ओस की भूमिका भी अहम होगी। इस मैच का परिणाम दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

टीमें इस प्रकार हैं :

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), कुसाल जनीथ परेरा, दिनेश चांदीमल, धनंजया डिसिल्वा, पथुम निसंका, चरित असलंका, अविष्का फर्नांडो, भानुका राजपक्षे, चमिका करुणारत्ने, वानिन्दु हसरंगा, दुष्मंत चमीरा, लाहिरु कुमारा, महेश तीक्षणा, अकिला धनंजय, बिनुरा फर्नांडो।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, डब्ल्यू मुलडर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डर डुसेन।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बार तीन बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

एक नजर

स्विस शतरंज टूर्नामेंट में भारतीयों को मिश्रित सफलता

रीगा (लाटविया)। भारतीय खिलाड़ियों को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मिश्रित सफलता मिली तथा के शशिकिरण और आर प्रज्ञानानंदा जहां जीत दर्ज करने में सफल रहे वहीं पी हरिकृष्णा को लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। अनुभवी ग्रैंडमास्टर के शशिकिरण ने गुरुवार की देर रात पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के शम्सुद्दीन वाखिदोव को हराया, जबकि किशोर खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा ने हमवतन बी अधिबान पर 55 चाल में जीत हासिल की। शशिकिरण और प्रज्ञानानंदा दोनों के दो दौर के बाद समान 1.5 अंक हैं जबकि फ्रांस के प्रतिभाशाली अलीरेजा फिरोजा सहित तीन खिलाड़ी दो अंक के साथ शीर्ष पर हैं। हालांकि 10 भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा को दूसरे दौर में रूस के अलेक्सी द्रीव से हार का सामना करना पड़ा। वह टूर्नामेंट के शुरू में भी व्लादीस्लाव कोवालेव से हार गए थे। निहाल सरीन ने शीर्ष बोर्ड पर विश्व के नंबर दो फैबियानो कारुआना को ड्रा पर रोका। उन्होंने पहले दौर में किरील जिर्योगीव पर जीत हासिल की थी।

माराडोना की बायोपिक श्रृंखला का हुआ प्रीमियर

ब्यूनस आयर्स। दुनिया के सबसे बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल रहे डिएगो माराडोना के निधन के एक साल बाद उनके जीवन पर आधारित एक बायोपिक (जीवनी) श्रृंखला के शुरुआती भाग का अर्जेंटीना टीवी पर प्रसारण से पहले यहां के जूनियर्स स्टेडियम में प्रीमियर हुआ। यह वही स्टेडियम है , जहां एल डिएज (मैराडोना) ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 1970 के दशक के मध्य में की थी। मैराडोना : ब्लेस्ड ड्रीम नाम की इस बायोपिक श्रृंखला का खुद मैराडोना ने 25 नवंबर 2020 को अपनी मृत्यु से पहले समर्थन किया था। अमेजन प्राइम वीडियो द्वारा निर्मित इस श्रृंखला का प्रसारण शुक्रवार से 240 से अधिक देशों में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह से उपलब्ध होगा।

टी20 विश्व कप

श्रीलंका के तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की योजना सफल रही: फिंच

एजेंसी ■ दुबई

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में गुरुवार को यहां श्रीलंका पर सात विकेट की शानदार जीत दर्ज करने के बाद कहा कि हम विरोधी टीम के तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की योजना से साथ उतरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 155 रन के लक्ष्य को 18 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। टीम के लिए डेविड वार्नर ने 65 , फिंच ने 37 और स्टीव स्मिथ ने नाबाद 28 रन का योगदान दिया। फिंच ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, हम जानते थे कि पावरप्ले के बाद (वानिंदु) हसरंगा और ऑफ स्पिनर (महीश) तीक्षना का मैच पर काफी प्रभाव होगा। ऐसे में हमें पता था कि उनके तेज गेंदबाजों के खिलाफ मौका लेना होगा। हम सफल रहे , डेवी (डेविड वार्नर) ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने ने मैच में टीम की वापसी का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए कहा, यह वास्तव में शानदार प्रदर्शन था। उन्होंने बल्लेबाजी में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन लेकिन एडम जम्पा और फिर मिशेल स्टार्क ने मैच में हमारी वापसी करा दी। उन्होंने बल्लेबाजों की मददगार पिच पर चार ओवर में सिर्फ 12 रन देकर दो विकेट लेने के लिए एडम जम्पा की तारीफ की। कप्तान ने कहा, पावरप्ले में श्रीलंका ने अच्छी बल्लेबाजी की थी लेकिन जम्पा ने शानदार तरीके से खेल को नियंत्रित किया। उसने बडे विकेट लिए। वह आज शानदार था मैन ऑफ द मैच जम्पा ने कहा, श्रीलंका ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन हम सही समय पर उन पर रोक लगाने में सफल रहे। उन्होंने यह माना की ओस के कारण श्रीलंका के गेंदबाजों के लिए लिए परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हो गई थी। जम्पा ने कहा, दूसरी पारी के दौरान ओस का प्रभाव था, जिससे श्रीलंकाई धीमे गेंदबाजों को स्पिन करने में दिक्कत हुई। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने बीच के ओवरों में खराब बल्लेबाजी को हार का कारण बताया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने 25-30 रन कम बनाए। उन्होंने कहा, हम अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। हम बीच के ओवरों में थोड़ा और अच्छा कर सकते थे। उन्होंने कहा, पिछले मैच में चरिथ असलंका ने आखिरी तक बल्लेबाजी की थी

वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को तीन रन से हराकर बाहर किया

एजेंसी ■ शारजाह

गत चैम्पियन वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को तीन रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रखी जबकि बांग्लादेश इस हार के साथ लगभग बाहर हो गया है। लगातार तीसरी बार पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई कैरेबियाई टीम ने सुपर 12 चरण के करो या मरो के मैच में सात विकेट पर 142 रन बनाए। उसके नामी गिरामी बल्लेबाजों ने हालांकि एक बार फिर निराश किया। निकोलस पूरन ने ही आखिरी ओवरों में अकेले किला लड़ाते हुए 22 गेंद में 40 रन बनाए। उन्होंने चार छक्के और एक चौका जड़कर वेस्टइंडीज को शर्मनाक स्कोर पर सिमटने से बचाया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए रोस्टन चेस ने 39 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में पांच विकेट पर 139 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज के सभी गेंदबाजों ने एक एक विकेट लिया। तीन मैचों में एक भी अंक नहीं बना सकी बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है जबकि वेस्टइंडीज अगर बाकी मैच जीत लेती है और दूसरे मैचों में नतीजे अनुकूल आते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। बांग्लादेश की शुरूआत खराब रही जब सलामी बल्लेबाज मोहम्मद नईम (17) और शाकिब अल हसन (नौ) पहले छह ओवर में ही आउट हो गए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास (43 गेंद में 44 रन) ने पारी को संभाला।

आखिरी छह ओवर में बांग्लादेश को 50 रन चाहिए थे और छह विकेट सुरक्षित थे। कप्तान महमूदुल्लाह (नाबाद 31) और दास फॉर्म में लग रहे थे। ऐसे में ड्वेन ब्रावो ने 17वें ओवर में तीन ही रन दिए। वहीं 19वें ओवर की पहली गेंद पर महमूदुल्लाह ने उन्हें छक्का लगाया लेकिन आखिरी गेंद पर उन्होंने दास को आउट किया। आखिरी ओवर में 13 रन की जरूरत थी जो महमूदुल्लाह नहीं बना सके। इससे पहले बांग्लादेश के लिए स्पिनर महेदी हसन और तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम तथा मुस्ताफिजूर रहमान ने क्रमशः 27, 20 और 43 रन देकर दो दो विकेट लिए। स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ वेस्टइंडीज के संघर्ष से वाकिफ बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह ने आफ स्पिनर हसन से ही गेंदबाजी का आगाज कराया जिससे कैरेबियाई टीम दबाव में आ गई। तेज गेंदबाजों से कुछ ओवर डलवाने के बाद उन्होंने पांचवें ओवर में फिर स्पिनर को बुलाया और इसका फायदा मिला जब हसन ने क्रिस गेल (चार) का बड़ा विकेट लिए। बांग्लादेश ने पावरप्ले में सिर्फ 29 रन देकर दो विकेट लिए। अगले ओवर में हसन ने शिमरोन हेटमाएर (नौ) को पवेलियन भेजा।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मिल्ने को भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी ■ दुबई

चोटिल लॉकी फर्ग्यूसन के स्थान पर टीम में शामिल किए गए न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को उम्मीद है कि आईसीसी टी20 विश्व कप में रविवार को भारत के खिलाफ मैच में वह अपनी लय का फायदा उठाते हुए अंतर पैदा करने में सफल रहेंगे। मिल्ने टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल थे लेकिन फर्ग्यूसन के चोटिल होने के बाद उन्हें मुख्य टीम में मौका मिला है। वह मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अंतिम एकादश में शामिल होने वाले थे लेकिन मैदान पर पहुंचने पर पता चला कि आईसीसी से उन्हें चोटिल खिलाड़ी की जगह शामिल करने के लिए मंजूरी नहीं मिली थी। मिल्ने ने यहां पत्रकारों से कहा, हाँ, मुझे निश्चित रूप से ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए लंबे समय से क्रिकेट में लगातार सबसे अच्छा दौर रहा है। बिग बैश लीग, विटैलिटी ब्लास्ट एंड द हंड्रेड जैसे छोटे प्रारुप के फ्रेंचाइजी आधारित लीग टूर्नामेंटों में शानदार लय में रहे इस गेंदबाज ने कहा, मै इस लय का अधिकतम लाभ उठाना चाहूंगा और इस समय अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखते हुए अपने खेल में और सुधार करना चाहूंगा। मैं यहां (टी20 विश्व कप) गेंद के साथ अंतर पैदा करने और वास्तव में यह साबित करने के लिए उत्साहित हूं कि यह समय मेरे लिए प्रभावशाली है। यह 29 साल का गेंदबाज हाल ही में खत्म हुई इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियन्स का हिस्सा था। उनका मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अगर वह टीम का हिस्सा होते तो न्यूजीलैंड का प्रदर्शन और बेहतर हो सकता था। न्यूजीलैंड की टीम यह मैच पांच विकेट से हार गई थी। उन्होंने कहा, आईपीएल के दौरान जिस तरह की पिचें थी उस पर ध्यान दें तो तेज गेंदबाजों को असमान उछाल मिल रही थी इससे बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मेरे होने से शायद टीम थोड़ी और मजबूत होती।

सिंधू क्वार्टर फाइनल में, सात्विक-चिराग भी जीते

एजेंसी ■ पेरिस

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने यहां महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को सीधे गेम में हराकर फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने गुरुवार देर रात खेल गए मैच में विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज क्रिस्टोफरसन को 21-19, 21-9 से हराया। यह मैच 37 मिनट तक चला। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधू क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त बुसानन ओंगबामरुंगफान से भिड़ेगी। उन्होंने पिछले सप्ताह डेनमार्क ओपन में बुसानन को हराया था। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता पुरुष युगल जोड़ी ने भी हमवतन एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को 15-21, 21-10, 21-19 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह भारतीय जोड़ी अब आरोन चिया और सोह वूई यिक की चौथी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी। पुरुष एकल में सौरभ वर्मा हालांकि दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोतो से 12-21, 9-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। युवा लक्ष्य सेन ने गुरुवार को सिंगापुर के लोह कीन यू पर आसान जीत के साथ तीसरे दौर में प्रवेश किया था।

रोनाल्डो की राह पर चले वार्नर, संवाददाता सम्मेलन के दौरान हटाई कोका कोला की बोतलें

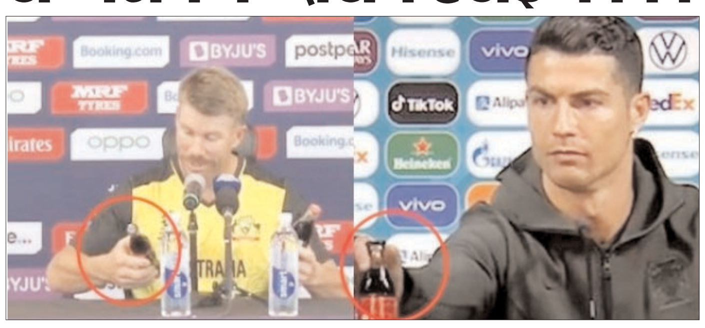

एजेंसी ■ दुबई

आस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की राह पर चलते हुए यहां चल रहे टी20 विश्व कप में संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने सामने रखी कोका कोला की बोतलों को कुछ देर के लिए हटा दिया। आस्ट्रेलिया की श्रीलंका पर सात विकेट से जीत के नायक वार्नर ने संवाददाता सम्मेलन शुरू होने से कुछ देर पहले अपने आगे रखी सॉफ्ट ड्रिंक्स की दोनों बोतलों को उठाया और मुस्कराते हुए कहा, क्या मैं इन्हें हटा सकता हूं। हालांकि मुझे इन्हें यहीं रखना है। उन्होंने दोनों बोतलों को वापस रखते हुए कहा, अगर यह क्रिस्टियानो के लिए अच्छा है तो मेरे लिए भी अच्छा है। यह सही है। रोनाल्डो ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने पास से शीतल पेय की बोतलों को हटा दिया था और रिपोर्टों के अनुसार इससे इस कंपनी को चार अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। वार्नर का बोतलों को हटाने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चल रहा है लेकिन इसके नतीजों का अभी पता नहीं चला है। फिटनेस को प्राथमिकता देने वाले रोनाल्डो ने पुर्तगाल के हंगरी के खिलाफ यूरो कप के पहले मैच से पूर्व संवाददाता सम्मेलन में अपने आगे रखी कोका कोला की बोतलों को हटा दिया था। इस 36 वर्षीय स्ट्राइकर ने पानी की बोतल उठाकर पुर्तगाली में कहा, एग्वा जिससे यह लगा कि वह लोगों से सॉफ्ट ड्रिंक्स के बजाय पानी को प्राथमिकता देने का आग्रह कर रहे हैं। पैंतीस वर्षीय वार्नर ने खराब फॉर्म से उबरकर 42 गेंदों पर 65 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल हैं। इससे आस्ट्रेलिया ने 155 रन का लक्ष्य 17 ओवर में हासिल कर दिया।

अभय शर्मा भारत के क्षेत्ररक्षण कोच बनने की दौड़ में शामिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ए, भारत अंडर -19 और राष्ट्रीय महिला टीम के साथ बड़े पैमाने पर काम कर चुके प्रथम श्रेणी के पूर्व क्रिकेटर अभय शर्मा ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षण कोच के पद के लिए आवेदन किया। शर्मा क्षेत्ररक्षण को कोच की भूमिका के प्रबल दावेदारों में से एक होंगे। टीम के मौजूदा क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर का टी20 विश्व कप के बाद मुख्य कोच रवि शास्त्री सहित अधिकांश सहयोगी स्टाफ के साथ कार्यकाल खत्म हो जाएगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, अभय (शर्मा) का आवेदन आज आया है।

आवेदन भेजने की आखिरी तिथि तीन नवंबर है। 52 साल के क्षेत्ररक्षण कोच शर्मा ने राहुल द्रविड के मुख्य कोच रहते हुए भारत ए और अंडर-19 टीमों के साथ काफी काम किया है। द्रविड़ ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है। भारत ए के एक अन्य कोच पारस म्हाम्ब्रे ने गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन किया है। शर्मा ने घरेलू क्रिकेट में दिल्ली, रेलवे और राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए 89 प्रथम श्रेणी के मैच खेले हैं। वह 2016 में जिम्बाब्वे और फिर अमेरिका तथा वेस्टइंडीज दौरे पर गई भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रह चुके है। हाल ही में भारतीय महिला टीम के ब्रिटेन के दौरे के दौरान एकदिवसीय एवं टेस्ट कप्तान मिताली राज, टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य महिला क्रिकेटरों ने उनके काम की तारीफ की थी। इस दौरे पर हरलीन कौर ने सीमा-रेखा के पास एक शानदार कैच लपका था। शर्मा ने तीन बार अंडर-19 टीम के साथ विश्व कप का हिस्सा रहे है। वह भारत ए के लगभग 10 दौरों पर टीम का हिस्सा रहे हैं।

टी20 विश्व कप | इन दोनो मैचो मे टीम को ज्यादा पसीना नही बहाना पड़ा।

चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड को मिलेगी पहली बड़ी चुनौती

एजेंसी ■ दुबई

खिताब के प्रबल दावेदार इंग्लैंड की टीम मौजूदा टी20 विश्व कप में शनिवार को यहां सुपर 12 चरण के ग्रुप एक के मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उसे पहली बार कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। दोनो ही टीमें इस मुकाबले में दो-दो जीत के साथ पहुंचेंगी ऐसे में इस मुश्किल माने जाने वाले ग्रुप में यह वर्चस्व कायम करने का भी मुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था लेकिन टीम ने गुरुवार को श्रीलंका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की। श्रीलंका के खिलाफ मैच में उनके लिए सबसे सकारात्मक बात यह रही कि लंबे समय से संघर्ष कर रहे कप्तान आरोन फिंच और डेविड वार्नर की सलामी बल्लेबाजों की जोड़ी लय में लौट आई है। आक्रामक अर्धशतक से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले वार्नर ने भी माना कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला कड़ा होगा। उन्होंने कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच के संवाददाता सम्मेलन में कहा, जाहिर तौर पर वह (इंग्लैंड) ऐसी टीम है जो हर विभाग में अच्छी है। उनका बल्लेबाजी क्रम लंबा हैं और गेंदबाजी में उसके पास कई विकल्प हैं। इंग्लैंड का आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी के साथ लेग स्पिनर एडम जम्पा अब तक पूरी तरह से उम्मीदों पर खरे उतरे है। श्रीलंका ने इस टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन जम्पा ने बीच के ओवरों में दो विकेट निकालकर खेल के रूख को मोड़ दिया। उनके लिए इस विभाग में चिंता का एकमात्र कारण ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस का गेंदबाजी प्रदर्शन होगा जिन्होंने गुरुवार को चार ओवर में 51 रन लुटाए। दूसरी ओर, इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज और बांग्लादेश पर बड़ी जीत के साथ इस मैच में पहुंचेगी। इन दोनों मैचों में टीम को ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया से हालांकि उन्हें बहुत कठिन चुनौती मिलने की संभावना है। इन दोनों मैचों गेंदबाजी का आगाज करने वाले ऑफ स्पिनर मोईन अली प्रभावशाली रहे हैं और उनके नाम टूर्नामेंट में चार विकेट हैं। तेज गेंदबाजी में टाइमल मिल्स ने प्रभावित किया है और अंतिम ओवरों में शानदार रहे हैं। लेग स्पिनर आदिल राशिद बांग्लादेश के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी नहीं कर सके थे, लेकिन उम्मीद है कि वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को परेशान करेंगे।

टीमें :

इंग्लैंड: इयोन मोर्गन (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, जोस बटलर, टॉम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, जेसन रॉय, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया: आरोन फिंच (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिन्स (उपकप्तान), जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मिशेल स्वेपसन, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।